हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
(लखनऊ से प्रकाशित)
वर्षः- 04, अंकः-08, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 16 जून 2026

भारत-श्रीलंका साझा विरासत- आईओटी समुदाय के भव्य...02

सिनेमाघरो व मल्टी प्लैक्स में दिव्यांगजनो के पहुंच के लिए...06

ईरान-अमेरिका में समझौते की खबरों से शेयर मार्केट में तेजी

थोक महंगाई 43 महीने में सबसे ज्यादा

चांदी 8,906 बढ़कर 2.51 लाख पर पहुंची

वृद्धजनों की सेवा ही भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र सरकार देगी 1500 रुपये मासिक पेंशन : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर प्रदेशवासियों के नाम पाती (पत्र) लिखा है। पाती के माध्यम से सीएम योगी ने कहा कि वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कार नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है। लेकिन आज घर सुने हो रहे हैं और वृद्धाश्रम बढ़ रहे हैं जो चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि वृद्धजनों और निराश्रित महिलाओं का सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए ही प्रदेश सरकार ने 1,500 रुपये प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए लिखा, आज घर सूने हो रहे हैं और वृद्धाश्रम बढ़ रहे हैं। यह तथ्य मन को व्यथित करता है। यह स्थिति क्यों आई? आज विश्व वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस पर एक संवेदनशील नागरिक होने के नाते हमें इस पर विचार करना चाहिए। बाल-

बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सर्वस्व अर्पित करने वाले उम्र के चौथे पड़ाव पर अकेले पड़ जाते हैं। आज की जीवनशैली में युवा घर से दूर काम करते हैं। इच्छा होने पर भी वृद्ध माता-पिता की सेवा के लिए घर में कोई नहीं होता। उम्र के अमृतकाल में वृद्धजनों को अपनत्व की सर्वाधिक आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से समाज ऐसे समय का साक्षी बन रहा है, जब अपनों का दुर्व्यवहार भी उन्हें सहना पड़ता है। देश के सर्वोच्च न्यायालय तक को अपने आदेशों में उन मूल्यों एवं दायित्वों का स्मरण कराना पड़ रहा है, जो सनातन का मूलभाव है। उन्होंने कहा, सनातन संस्कृति में माता-पिता और गुरु को साक्षात ईश्वर माना जाता है। आपने भगवान शिव और माता पार्वती की कथा सुनी होगी। उन्होंने अपने पुत्रों भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय के समक्ष समस्त जगत की परिक्रमा की चुनौती रखी। तब, भगवान गणेश ने माता-पिता को ही संपूर्ण सृष्टि मानकर उनकी परिक्रमा कर ली। उन्होंने यह संदेश दिया कि माता-पिता के चरणों में ही समस्त लोकों एवं तीर्थों का वास है। बुद्धि, श्रद्धा एवं संस्कार से परिपूर्ण इसी दृष्टिकोण ने भगवान गणेश को प्रथम पूज्य होने का गौरव प्रदान किया।

श्रवण कुमार की कथा तो हम सभी को ज्ञात है। भगवान श्रीराम तो माता-पिता का मान रखने के लिए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार करने से भी विचलित नहीं हुए। सीएम योगी ने कहा, सनातन धार्मिक रीति-रिवाजों, सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संबंधों एवं मूल्यों पर आधारित जीवनशैली है। सनातन में बड़ों का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लेने की परंपरा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे हमारे अनुभव, संस्कृति और जीवन मूल्यों के सच्चे धरोहर हैं। वृद्धजनों का सम्मान केवल संस्कार नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सभ्यता की पहचान है। उन्होंने कहा, वृद्धजनों और निराश्रित महिलाओं का सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करने के लिए ही प्रदेश सरकार ने 1,500 रुपये प्रति माह पेंशन देने का निर्णय लिया है। निराश्रित महिलाओं को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ा जाएगा, ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं सभी वृद्धजनों से आदरपूर्वक कहना चाहूंगा कि आपने परिवार, समाज और देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग अवश्य अपनाएं। संयोग से इस वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवसश् की थीम भी स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग है। यह केवल एक थीम नहीं, बल्कि वृद्धजनों के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन का वैश्विक संकल्प है।

नफरत खत्म करने का मौका देती है अमरनाथ यात्रा : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा करना कश्मीरियों का फर्ज है और यह बढ़ती नफरत एवं ध्रुवीकरण के इस दौर में सद्भाव बनाने का एक अवसर भी है। हिमालय की दक्षिण कश्मीर स्थित पर्वत श्रृंखला में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर की 57-दिवसीय तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा पहलगाम में स्थानीय आतिथ्य क्षेत्र के हितधारकों से मिलने पहुंचीं, जहां उन्होंने कहा, यात्रा पूरे भारत में नफरत खत्म करने का हमारा अवसर है। यात्रा की सुरक्षा करना हमारा फर्ज है, यह केवल सुरक्षाबलों की जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा, अमरनाथ यात्रा पर आने वाला हर तीर्थयात्री कश्मीर का मेहमान है। वे हमारी धरती, हमारे लोगों और हमारी मेहमाननवाजी की कहानी भारत के कोने-कोने तक ले जाते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि वे हमारे स्नेह और मेहमाननवाजी की यादें लेकर जाएं। इसी से हम कश्मीर की आत्मा की रक्षा करते हैं और मुसलमानों के खिलाफ गढ़े गए झूठे विमर्श का जवाब देते हैं। महबूबा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों की ही नहीं, बल्कि कश्मीर के हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, बढ़ती नफरत और ध्रुवीकरण के इस दौर में यात्रा को सद्भाव बनाने, इंसानी रिश्तों को मजबूत करने और पूरे भारत में दूरियां पाटने का अवसर बनना चाहिए। पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि यात्री राजदूत की भूमिका निभाते हैं, जो कश्मीर में अपना अनुभव अपने घरों और समुदायों तक ले जाते हैं।

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को 8,500 करोड़ रुपये दिए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि केंद्र ने राज्य को वीबी जी-राम जी योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। शुभेंदु ने कहा कि केंद्र ने ग्राम सड़क योजना के तहत 2,400 करोड़ रुपये के आवंटन को मंजूरी दी है और 1,000 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी जन कल्याण शिविर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि 15 से 17 जून तक आयोजित होने वाले 1,100 जन कल्याण शिविर के जरिए लोग केंद्रीय और राज्य सरकार की 54 योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार का यह पहला जनसंपर्क कार्यक्रम है।

टेक्नोलॉजी हमारे संबंधों का आधार, भारत और स्लोवाकिया के बीच कई अहम समझौते : मोदी

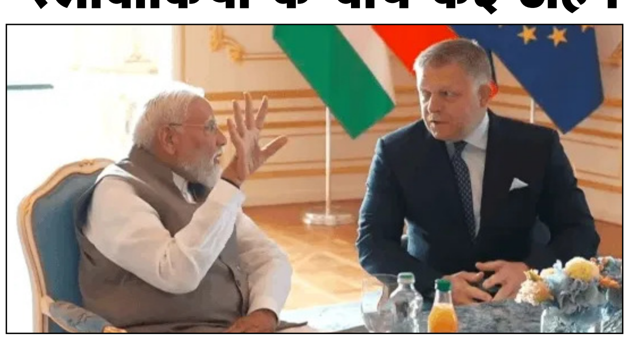

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके स्लोवाकियाई समकक्ष रॉबर्ट फिचो के बीच ब्रातिस्लावा कैसल में अहम मुलाकात हुई। दोनों के अहम बैठक हुई, जिसके बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने इस दौरे को ऐतिहासिक बताया और भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया की मदद का आभार भी जताया। साझा वक्तव्य के दौरान पीएम मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री और मैंने हमारे सहयोग को नई दिशा और नई गति देने के बारे में विस्तार से चर्चा की। हमारे द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक साझेदारी में हुई प्रगति हमारे लिए संतोष की बात है। हालाँकि, हमारी क्षमताएं बहुत अधिक हैं और हमारी आकांक्षाएं उससे भी कहीं अधिक हैं। पीएम मोदी ने कहा, हमारे आत्मीयता भरे स्वागत के लिए मैं प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको अनुभवी नेता होने के साथ भारत के सच्चे मित्र हैं। भारत स्लोवाकिया के संबंधों को नई ऊंचाई तक पहुंचाने में उनकी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता का विशेष महत्व रहा है। मुझे खुशी है कि आज उनसे मिलकर हमारे संबंधों में एक ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने का शुभ अवसर मिला। मेरी ये यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। पीएम मोदी ने कहा कि, इंडिया-ईयू, एफटीए को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए मैं प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। हम इसके जल्द से जल्द इम्प्लीमेंटेशन के लिए काम करेंगे ताकि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप्स और ट्रेडर्स इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। टेक्नोलॉजी हमारी भावी साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है। डिजिटल टेक्नोलॉजी पर आज किए गए समझौते इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनाएंगे।

नशे के कारोबार पर लगाम लगाने में ऑपरेशन तूफान कारगर : रमेश चेन्निथला

त्रिशूर, एजेंसी। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने सोमवार को कहा कि राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ ऑपरेशन तूफान अभियान सफल हो रहा है। चेन्निथला ने लोगों से मादक पदार्थों की समस्या से निपटने के इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की। उन्होंने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाज ने मादक पदार्थों की समस्या की गंभीरता को समझना शुरू कर दिया है और इस अभियान की सफलता के लिए लोगों की भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, यह अभियान इसलिए सफल हो रहा है, क्योंकि समाज ने खुद यह मान लिया है कि मादक पदार्थों का इस्तेमाल आज हमारे सामने मौजूद सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। इस चुनौती से निपटने में हर किसी की भूमिका आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में केरल में मादक पदार्थों के इस्तेमाल और इसकी तस्करी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है।

वैश्विक अनिश्चितताओं बीच घरेलू मांग से मिल रहा अर्थव्यवस्था को समर्थन : सीतारमण

नयी दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि इस समय वैश्विक स्तर पर व्यापार और आपूर्ति को लेकर कई प्रकार की अनिश्चतताएं भारतीय अर्थव्यस्था के लिए चुनौती पेश कर रही हैं, हालांकि घरेलू मांग से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिल रहा है। श्रीमती सीतारमण ने यहां माइंडमाइन सम्मेलन 2026 के एक संवाद सत्र के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वर्तमान में वैश्विक व्यापार में काफी अनिश्चितताएं हैं। हमारा निर्यात मजबूत है लेकिन अचानक आयात शुल्क बढ़ा दिया जाता है। हम जिन तीन वस्तुओं का सबसे अधिक आयात करते हैं उनकी कीमत और आपूर्ति दोनों में काफी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। इसके लिए विदेशी मुद्रा का भंडार मजबूत होना चाहिये। उन्होंने कहा कि इन सबके बीच भारत के लिए राहत

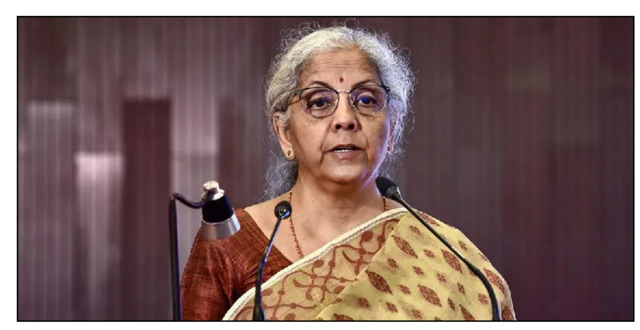

की बात हमारा घरेलू बाजार है, जो काफी बड़ा है। घरेलू मांग मजबूत बनी हुई है। हालांकि विनिर्माताओं के समक्ष आयातित कच्चे माल की ऊंची कीमत की चुनौती भी है। घरेलू स्तर पर मानसून की चुनौती को लेकर उन्होंने कहा कि इस बार अल-नीनो प्रभाव के कारण कम बारिश होने का अनुमान है। देश के पास अनाज का काफी बफर भंडार है, इसलिए खाद्यान्न की कमी जैसी स्थिति तो नहीं होगी, लेकिन किसानों की आमदनी पर कम मानसून का असर जरूर होगा। उर्वरकों की कमी के बारे में उन्होंने कहा कि आगामी खरीफ सत्र के लिए उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। रबी सत्र को लेकर चिंता थी लेकिन अब चीन से उर्वरक आने से वह चिंता भी दूर हो गयी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और उससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने रिजर्व बैंक के साथ मिलकर विदेशी मुद्रा जुटाने के उपाय किये हैं।

खेत में पलटी निजी बस, महिला समेत तीन की मौत, 12 घायल

फतेहाबाद, एजेंसी। हरियाणा के फतेहाबाद जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब भूना से टोहाना जा रही एक निजी बस गांव भोडी के पास अनियंत्रित होकर खेतों में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल टोहाना में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और बस में सवार यात्रियों ने चालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यात्रियों का कहना है कि चालक शुरू से ही तेज रफ्तार में बस चला रहा था और उसकी ड्राइविंग संदिग्ध लग रही थी। यात्रियों के अनुसार, जैसे ही बस गांव भोडी के पास एक मोड़ पर पहुंची, चालक ने अचानक तेज गति में बस मोड़ दी।

ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

बीकानेर, (एजेंसी)। राजस्थान में बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रक और कार की भिड़ंत में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि एक बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हरियाणा नंबर की कार में कुल सात लोग सवार थे। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं, जो हरियाणा के फतेहाबाद के रहने वाले थे। मृतकों में हरियाणा, फतेहाबाद के मताना गांव के निवासी ओमप्रकाश विश्नोई, उनकी पत्नी सोरमा देवी (45), पुत्री प्रमिला, रोनित, यशवी (10) और खुशी (छह) शामिल हैं। दो वर्ष की तनवी गंभीर रूप से घायल हुई है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार सभी लोग बीकानेर के मुकाम में बिश्नोई समाज के गुरु जम्भेश्वर के समाधि स्थल के दर्शन करके लौट रहे थे। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से कार से शव बाहर निकाले। घायल बच्ची को श्रीडूंगरगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया।

हालत गंभीर होने पर उसे बीकानेर के पीबीएम अस्पताल भेज दिया गया। सभी शव सेवादारों की मदद से श्रीडूंगरगढ़ सीएचसी में रखवाये गये हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। मताना गांव के सरपंच दलबीर वर्मा ने बताया कि ओमप्रकाश 30 मई को ही फतेहाबाद के डीडीपीओ कार्यालय से सीनियर अकाउंटेट पद से सेवानिवृत्त हुए थे।

अमरीका ठंड हुआ, तो इजरायल उबलने लगा, ट्रंप के शांति प्रयासों पर नेतन्याहू ने फेंका बम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के मुद्दे पर राजी हो गये हैं। दोनों देशों के बीच रविवार को जंग खत्म करने के लिए शांति समझौते पर सहमति बन गयी और अब आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा। इस बात की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया दी है। श्री ट्रम्प ने टुथ सोशल पर लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ़ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो गया है। सभी को बधाई! मैं इसके ज़रिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी को तुरंत हटाने की मंज़ूरी देता हूँ। दुनिया भर के जहाज़ अपने इंजन चालू करें। तेल का प्रवाह शुरू होने दो!। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो गया है। दोनों पक्षों ने लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई को तुरंत और हमेशा के लिए रोकने का ऐलान किया है। इस समझौते पर आधिकारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार 19 जून को स्विट्जरलैंड में होगा। उन्होंने कहा, हम इस विवाद का कूटनीतिक समाधान खोजने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए अमेरिका और ईरान का धन्यवाद करना चाहते हैं। हम इस समझौते तक पहुँचने में मदद के लिए मध्यस्थता की कोशिश में शामिल अपने भाइयों कतर के महान नेतृत्व का भी दिल से आभार व्यक्त करते हैं। मैं सऊदी अरब और तुर्की के दूरदर्शी नेतृत्व का भी विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने इस दिशा में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि अब जब समझौता हो गया है।

कैंची धाम में आस्था का महासंगम, कपाट खुलते ही उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड में विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम में रविवार तड़के बाबा नीब करौरी महाराज के जन्मोत्स पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। ऊषाकाल में पांच बजे विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा के पावन कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गये। कपाट खुलते ही देश-विदेश से पहुंचे हजारों श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए मंदिर परिसर में उमड़ पड़े। सुबह होने से पहले ही मंदिर परिसर और मुख्य मार्गों पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गयी थीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा तथा यातायात की व्यापक व्यवस्था की है। मंदिर क्षेत्र के सभी प्रमुख मार्गों, बैरियरों और चौराहों पर पुलिस बल को तैनात किया गया है, जो श्रद्धालुओं को व्यवस्थित ढंग से दर्शन कराने में जुटा हुआ है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्थानों से लगातार शटल सेवा संचालित की जा रही है। किसी भी मार्ग पर श्रद्धालुओं को अनावश्यक रूप से नहीं रोका जा रहा है और सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए वाहनों को व्यवस्थित तरीके से आगे भेजा जा रहा है। नैनीताल पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने, अपनी बारी का इंतजार करने तथा पुलिस और स्वयंसेवकों द्वारा दिए जा रहे दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

केरल में प्रियदर्शिनी योजना शुरू

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार ने अपने प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए सोमवार को प्रियदर्शिनी योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत राज्यभर की साधारण रोडवेज बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने यहां थम्पानूर रोडवजे बस टर्मिनल में आयोजित एक कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर इस महत्वपूर्ण योजना की शुरुआत की। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के अलावा परिवहन मंत्री सी.पी. जॉन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री केए तुलसी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली में धूल भरी आंधी से दिन में छाया अंधेरा

भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार दोपहर को धूल भरी आंधी चलने से आसमान में अंधेरा छा गया। इसके बाद मौसम विभाग ने भारी बारिश और तेज हवाओं को लेकर 'रेड अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बिजली चमकने, 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने और 15 मिलीमीटर प्रति घंटे से अधिक की दर से भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग की ओर से दोपहर 3ः30 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार, पालम मौसम केंद्र पर दोपहर 2:30 बजे हवा की गति 93 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जो शहर में सबसे अधिक है। मौसम अधिकारियों ने बताया कि पालम में यह तेज आंधी करीब दो मिनट तक चली और इसके बाद हल्की बारिश हुयी।

एशिया का दिग्गज! जेवर एयरपोर्ट ने खोला आसमान

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के जेवर में तैयार हुआ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश के सबसे महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में से एक है। लगभग 11,200 करोड़ रुपये की लागत से पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया गया यह एयरपोर्ट भारत के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स में शामिल है। इसके संचालन से न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, बल्कि इसे वैश्विक एविएशन हब के रूप में स्थापित करने में भी अहम भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर 2021 को इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास किया था। एयरपोर्ट के विकास का कार्य स्विट्जरलैंड की कंपनी ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट एजी को सौंपा गया। पहले चरण के तहत 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिस पर करीब 11 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। सभी चार चरणों के पूरा होने के बाद यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का छठा सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने का दावा करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 28 मार्च को इसका उद्घाटन भी किया। शुरुआती चरण में यहां से देश के लगभग 45 शहरों के लिए करीब 65 वाणिज्यिक उड़ानें संचालित की जाएंगी। एयरपोर्ट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी तेज और सुविधाजनक यात्री व्यवस्था है। यात्रियों को प्रवेश द्वार से बोर्डिंग गेट तक पहुंचने में 20 मिनट से भी कम समय लगेगा। सुरक्षा जांच के बाद केवल 60 मीटर का कॉरिडोर पार कर यात्री बोर्डिंग गेट तक पहुंच सकेंगे। कनेक्टिविटी के लिहाज से भी नोएडा एयरपोर्ट बेहद महत्वपूर्ण है। यह यमुना एक्सप्रेस-वे के निकट स्थित है, जो ग्रेटर नोएडा और आगरा को सीधे जोड़ता है। एयरपोर्ट को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जा रहा है इसके अलावा प्रस्तावित दिल्ली-वाराणसी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का स्टेशन भी एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित है।

भारत–श्रीलंका साझा विरासत– आईओटी समुदाय के भव्य इवेंट व भरतनाट्यम ने रचा इतिहास

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने अटूट सांस्कृतिक संबंधों और विकास की साझी यात्रा का एक अद्भुत नजारा राजधानी कोलंबो में देखने को मिला। यहां जहां एक ओर भारतीय मूल के तमिल (आईओटी) समुदाय की %अप–कंट्री एजुकेशन डेवलपमेंट सोसाइटी% (यूईडीएस) ने भव्य समारोह के साथ अपनी सफलता के 20 गौरवशाली वर्ष पूरे किए, वहीं दूसरी ओर भारत–श्रीलंका के 5,000 नर्तकों ने %सबसे बड़ी भरतनाट्यम क्लास% का आयोजन कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया। दोनों देशों के कलाकारों और मेधावियों के इस ऐतिहासिक संगम ने कला, शिक्षा और आपसी जुगलबंदी की एक नई गाथा लिख दी है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने यूईडीएस कार्यक्रम में आईओटी समुदाय को भारत और श्रीलंका के बीच एक जीवंत कड़ी (लिविंग ब्रिज) बताया। उन्होंने शिक्षा और विकास के क्षेत्र में यूईडीएस के दो दशकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समुदाय दोनों देशों के संबंधों को मज़बूती देता है। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा उच्चायुक्त झा ने अपने संबोधन में भारत सरकार द्वारा इस समुदाय के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार बागान श्रमिकों के लिए आवास निर्माण, स्कूलों के बुनियादी ढांचे का विकास और आधुनिक शैक्षणिक उपकरणों की आपूर्ति के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। उच्चायुक्त ने %सीलोन एस्टेट वर्कर्स एजुकेशनल ट्रस्ट% छात्रवृत्ति कार्यक्रम में हाल ही में किए गए सुधारों पर कहा इसके तहत लाभार्थियों की संख्या 350 से बढ़कर 700 हो गई है और छात्रवृत्ति सहायता राशि में भी वृद्धि की गई है। उन्होंने भारत सरकार के 75 करोड़ रुपये के %भारतीय मूल के तमिल पैकेज% के तहत लागू किए जा रहे कई प्रोजेक्ट्स, स्कूल के बुनियादी ढांचे के अपग्रेडेशन और 2,000 से अधिक बागान स्कूल शिक्षकों के लिए एसटीईएम प्रशिक्षण पर भी प्रकाश डाला। बता दें कि भारत व श्रीलंका दोनों पड़ोसी देशों के बीच सदियों पुराने आपसी जन–संबंधों और साझी सांस्कृतिक विरासत का एक गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। यूईडीएस समारोह से इतर कोलंबो के ऐतिहासिक गॉल फेस ग्रीन मैदान पर भारत और श्रीलंका की अटूट और साझा सांस्कृतिक विरासत का एक अद्भुत और भव्य नजारा देखने को मिला, जिसमें दोनों देशों के एक संयुक्त कार्यक्रम में 5,000 से अधिक नर्तक–नर्तकियों ने एक साथ थिरककर %दुनिया के सबसे बड़े भरतनाट्यम नृत्य पाठ% का नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। खचाखच भरी भीड़ के सामने यह प्रस्तुति न केवल एक अनूठा वैश्विक रिकॉर्ड बनी, बल्कि इसने कला और संस्कृति के माध्यम से भारत–श्रीलंका के मजबूत होते जन–केंद्रित रिश्तों और अटूट सांस्कृतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान की।

बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं को किया गया जागरूक

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

जसवंतनगर। महिला सशक्तिकरण के तहत सोमवार को स्थानीय पुलिस विभाग द्वारा क्षेत्राधिकारी आयुषी सिंह कें निर्देशन और थानाध्यक्ष कमल भाटी के संयोजन में ग्राम कैस्त स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क परिसर में बहू-बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी उपायों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।इस अवसर पर थाना प्रभारी निरीक्षक कमल भाटी, उपनिरीक्षक शुभम वर्मा, महिला कांस्टेबल विनीता, संगम, शिवानी, गीता, सलोनी और प्रिया सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सम्मेलन में गांव की बड़ी संख्या में महिलाओं, बहुओं, किशोरियों और बालिकाओं ने भाग लिया।पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, साइबर अपराध, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न तथा अन्य अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 सहित अन्य महत्वपूर्ण सहायता नंबरों की जानकारी भी दी।अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं से संवाद कर उनके जिज्ञासु प्रश्नों का समाधान किया। महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने के लिए पुलिस अधिकारियों ने वादा किया कि कानूनन अगर किसी को कोई समस्या आती है तो उसके समाधान के लिए पुलिस विभाग हमेशा तात्पर्य है।कार्यक्रम के अंत में महिलाओं और किशोरियों ने पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना की।

मानसून से पहले सफाई व जलनिकासी व्यवस्था दुरुस्त करें- ए.के. शर्मा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को सर्किट हाउस में नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मानसून से पूर्व नालियों की सफाई, जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जलभराव की समस्या रोकने के लिए प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। ऊर्जा विभाग की समीक्षा में मंत्री ने निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, खराब ट्रांसफार्मरों के त्वरित प्रतिस्थापन तथा उपभोक्ता शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 1912 हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

ऑल आउट की 'साथ लड़ेंगे डेंगू से' पहल की पहली वर्षगांठ, पंडितपुर बना जागरूकता का मॉडल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। ऑल आउट बनाने वाली कंपनी ब्रिलॉन कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने वाराणसी में अपनी सामाजिक पहल 'साथ लड़ेंगे डेंगू से' की पहली वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर जारी इम्पैक्ट रिपोर्ट में बताया गया कि पंडितपुर गांव में डेंगू और मलेरिया के प्रति जागरूकता 97 प्रतिशत तक पहुंच गई है तथा 90 प्रतिशत से अधिक परिवार नियमित रूप से जमा पानी बदलने जैसे बचाव उपाय अपना रहे हैं। कार्यक्रम में कंपनी के एमडी एवं सीईओ रतनजीत दास, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जे. नायक और जिला मलेरिया अधिकारी एस.सी. पांडे मौजूद रहे। वक्ताओं ने डेंगू रोकथाम में जनभागीदारी, स्वच्छता और जागरूकता की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में बच्चों ने 'दबंग डेंगू जासूस' बनकर घरों की निगरानी की तथा गांव में विकसित आदर्श किचन गार्डन, माता मंदिर परिसर और तालाब पुनर्विकास कार्यों का भी अवलोकन कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार 99 प्रतिशत ग्रामीणों ने इस अभियान को आगे भी जारी रखने की इच्छा जताई।

गुवाहाटी बन रहा है दक्षिण–पूर्व एशिया के लिए भारत का नया द्वार– हिमंत बिस्वा सरमा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता पंकज नाथ,

असम। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि गुवाहाटी, जो लंबे समय से उत्तर-पूर्व का प्रवेश द्वार माना जाता रहा है, अब धीरे-धीरे भारत के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया का भी प्रमुख द्वार बनता जा रहा है। यह टिप्पणी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इ पर की, जहाँ उन्होंने शहर के आसपास चल रही और आने वाली कई बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का निरीक्षण करने की जानकारी दी मुख्यमंत्री ने लिखा कि Gateway to the North East is now emerging as IndiaOs Gateway to South East Asia, और बताया कि गुवाहाटी आने वाले दिनों में कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का साक्षी बनने को तैयार है। अपने पोस्ट में उन्होंने परियोजनाओं के व्यक्तिगत विवरण का उल्लेख नहीं किया, लेकिन यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब असम में विशेषकर गुवाहाटी में व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दिया जा रहा है। यह पहल केंद्र की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को मजबूत करने के प्रयासों के अनुरूप है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में गुवाहाटी के शहरी परिदृश्य को बदलने और कनेक्टिविटी सुधारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए है। इनमें सड़कों का विस्तार, नए फ्लाईओवर का निर्माण, नदी तट (रिवरफ्रंट) विकास, जन परिवहन सुविधाओं का उन्नयन और पड़ोसी राज्यों व अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव को मजबूत करना शामिल है। इसके साथ ही विमानन, रेल और अंदरूनी जल परिवहन में भी महत्वपूर्ण निवेश हुए है, जिससे शहर की भूमिका और भी सुदृढ़ हुई है। अधिकारियों का मानना है कि बेहतर कनेक्टिविटी से व्यापार, पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ आर्थिक और सांस्कृतिक एकीकरण को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बार-बार असम की भौगोलिक और रणनीतिक स्थिति पर जोर दिया है और राज्य को मुख्य व्यापार, लॉजिस्टिक्स, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में उभरने का लक्ष्य बताया है प्रशासन ने संकेत दिया है कि आने वाले हफ्तों में कई उच्च-प्रोफाइल परियोजनाओं या तो सार्वजनिक रूप से उद्घाटित की जाएंगी या महत्वपूर्ण मील के पत्थर पार करेंगी, जिससे गुवाहाटी की उत्तर-पूर्व तथा भारत-दक्षिण-पूर्व एशिया कनेक्टिविटी में और मजबूती आयेगी।

फ़्रांस की अनुदान राशि के दुरुपयोग का APFBC परियोजना में IFS अधिकारी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप ।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। असम सरकार के वन विभाग के अंतर्गत फ्रांस की अनुदान निधि से चल रहे Assam Project on Forest and Biodiversity Conservation Society (APFBC) परियोजना में मिली जानकारी और आरटीआई दस्तावेजों के आधार पर कई स्थानों पर अवैध आवंटन और धनराशि के गड़बड़ी के गंभीर आरोप लगे है। बताया गया है कि 2021 में तेज़पुर में करीब 36 करोड़, शिलचर में करीब 12 करोड़ , बोंगाईगाँव में करीब 16 करोड़ , जोरहाट में करीब 22 करोड़ , कोकराझार में करीब 16 करोड़ और हाफलोंग ज़िलों में करीब 34 करोड़ रुपये की पौधारोपण और चहेरा-फेंसिंग के ठेके दिए गए। ठेकेदारों में M/s Badri Rai & Company (Duliajaan), M/s Gramin Vikas Trust (Uttar Pradesh) ¥0ÚU M/s Sarada Project Limited (Hyderabad) प्रमुख हैं। इन ठेकों के कुल अनुबंध मूल्य करोड़ों में रहे और ठेकेदारों को अनेक प्रथम किस्तें जारी की गईं, जबकि उस समय वन विभाग में किसी भी ठेकेदार द्वारा प्रत्यक्ष पौधारोपण की स्पष्ट नियमावली मौजूद नहीं थी।आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार APFBC सोसाइटी के परियोजना निदेशक KSPV पवन कुमार, IFS पर अपने पसंदीदा ठेकेदारों के साथ मिलकर सार्वजनिक धन का बड़ा हिस्सा ग़ैरकानूनी रूप से हड़पने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ठेकेदारों को प्रथम किस्तें तभी जारी कर दी गई जब वे परियोजना निदेशक के समझौते पर सहमत थे। पत्रकारों द्वारा Badri Ray & Company के काम की रिपोर्टिंग के बाद इस ठेकेदार ने शिकायत दर्ज करवाई और शिकायत संख्या 1964/2022 के तहत अभियोग चलाया गया। शिकायत में यह भी आरोप था कि रिपोर्टर ने फेंसिंग सामग्री चुरा ली। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने ठेकेदार के कोई ठोस साक्ष्य न होने के कारण रिपोर्टर को बरी कर दिया; अदालत ने 06/02/2026 को रिपोर्टर को निर्दोष करार दिया। सुनवाई के दौरान अभियोजक पक्ष कई दिनों पर उपस्थित नहीं रहा और कोई निर्णायक प्रमाण नहीं दे पाया। साथ ही एक और गंभीर प्रकरण में APFBC के फंड से 05/04/2023 को 129 वाहन खरीदने की स्वीकृति दी गई थी। आरटीआई व जांच के दस्तावेज़ बताते हैं कि इन वाहनों की खरीद का अनुबंध केरल की एक कंपनी एस.बी.एल. Knowledge Services Pvt. Ltd. से लगभग ?10.94 करोड़ की संदिग्ध कागज़ात के आधार पर कर दिया गया था। इस खरीद में भी वर्तमान में जांच जारी है और खरीद संबंधी अनियमितताओं की फ़ौरन जांच की मांग उठी है। इन आरोपों के बीच पवन कुमार, आईएफएस को वर्तमान में पीसीसीएफ (Wildlife) पद के लिए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में अपील दायर करते हुए देखा जा रहा है। स्थानीय आरटीआई कार्यकर्ता दिलीप नाथ ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को अनुरोध करते हुए कहा है कि ऐसे अधिकारी को किसी भी तरह से वन्यजीव विभाग के PCCF पद पर नियुक्ति न दी जाए जब तक इसके ऊपर चल रही जांच और पारदर्शिता सुनिश्चित न हो। मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और शीघ्र जांच की मांग उठ रही है ताकि विदेशी अनुदान के दुरुपयोग और सार्वजनिक धन के संभावित हेराफेरी का स्पष्ट विवेचन हो सके।

राम मंदिर चढ़ावा और जमीन सौदे पर सांसद संजय सिंह के गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अयोध्या स्थित श्रीराम ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे में हुई कथित चोरी के मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के भक्तों द्वारा चढ़ाए गए धन और आभूषणों में कथित गड़बड़ी होना श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ बड़ा अन्याय है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ लोगों के संरक्षण में पहले जमीन खरीद-बिक्री में अनियमितताएं हुईं और अब चढ़ावे के धन तथा सोने के आभूषणों की कथित चोरी का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह प्रभु श्रीराम के भक्तों के विश्वास को ठेस पहुंचाने वाला विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों की पहले सामान्य आर्थिक स्थिति थी, वे आज करोड़ों रुपये की संपत्ति के मालिक बन गए हैं। सांसद ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए, क्योंकि वर्तमान जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे। बताया गया कि सांसद संजय सिंह अपने एक व्यक्तिगत कार्यक्रम के सिलसिले में वाराणसी आए थे, इसी दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

जेनिथ फेस्ट रीलोडेड 3.0 का भव्य समापन, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को मिला जेनिथ स्टेलर्स सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। शिक्षा एवं सर्वांगीण विकास को समर्पित जेनिथ कोचिंग द्वारा आयोजित चार दिवसीय जेनिथ फस्ट रुलोडेड 3.0 का भव्य समापन समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विभिन्न विद्यालयों के गणमान्य व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ए स्कूल ऑफ गुरुकुल, डिगिया के सीएमडी रवि प्रकाश जायसवाल एवं निदेशक ममता जायसवाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में क्रेडेंस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक, पूर्वांचल कोचिंग संघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आशीष श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्रा समीक्षा की गणेश वंदना से हुआ। वहीं श्रेयशी उपाध्याय ने अपनी मधुर प्रस्तुति शिव कैलाशों के वासी से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि जेनिथ कोचिंग पिछले एक दशक से अधिक समय से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है तथा अब तक 3500 से अधिक विद्यार्थियों को शिक्षित कर चुकी है। संस्था के विद्यार्थियों ने 400 से अधिक डिस्टिंक्शन प्राप्त किए हैं तथा प्रतिवर्ष अनेक स्कूल एवं बोर्ड टॉपर्स दिए हैं। चार दिवसीय फेस्ट में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने शतरंज, कैरम, रूबिक्स क्यूब, कप स्टैकिंग, डिक्लेमेशन, ई–स्पोर्ट्स, वाद–विवाद तथा कला एवं शिल्प प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वाद–विवाद प्रतियोगिता रही, जिसका विषय Has AI Made Students Smarter or Dumber? था। प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा पर प्रभाव को लेकर प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। समारोह के दौरान सत्र 2025–26 के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा टॉपर्स, बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा शैक्षणिक एवं सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को Zenith Stellars सम्मान से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि रवि प्रकाश जायसवाल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला, जबकि विशिष्ट अतिथि आशीष श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन दिप्तेश पाण्डेय ने प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन प्राप्ति यादव ने किया। कार्यक्रम में जेनिथ कोचिंग की निदेशक सविता पाण्डेय, प्रबंधक दिप्तेश पाण्डेय, हर्ष पाण्डेय, समन्वयक अर्चना पाण्डेय सहित शिक्षकगण निधि, खुशी, फरहान, अनुराग, आदित्य, साची, ज्योति एवं अन्य शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जेनिथ है तो मुमकिन है के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

प्रदेशीय सब जूनियर बॉक्सिंग प्रतियोगिता में महादेव सूर्या विनायक बॉक्सिंग एकेडमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सहारनपुर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10 से 13 जून तक आयोजित प्रदेशीय सब जूनियर बालक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में महादेव सूर्या विनायक बॉक्सिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वाराणसी मंडल और एकेडमी का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में एकेडमी के तीन मुक्केबाजों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। हिमांशु यादव ने 52 से 57 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक, अनिरुद्ध दत्त मिश्रा ने 55 से 58 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक तथा रुद्र सिंह ने 49 से 52 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। स्वर्ण पदक विजेता हिमांशु यादव गाजीपुर के निवासी हैं। उनके पिता हरकेश यादव भारतीय सेना में कार्यरत हैं तथा माता का नाम रेखा यादव है। रजत पदक विजेता अनिरुद्ध दत्त मिश्रा की माता का नाम पूनम मिश्रा है। वहीं कांस्य पदक विजेता रुद्र सिंह गाजीपुर के गोसंदेपुर उपरवार के निवासी हैं। उनके पिता राकेश सिंह एवं माता दीपिका सिंह हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से क्षेत्र एवं एकेडमी में खुशी का माहौल है। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रमोद कुमार ने खिलाड़ियों एवं उनके कोच को बधाई देते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एकेडमी के मुख्य संरक्षक शशिकांत पांडेय ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों और कोच को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। इस अवसर पर उपेन्द्र कुमार मिश्र प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सनातन संघ, संजीव कुमार मिश्रा एवं मंशा यादव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एकेडमी के सभी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय कोच दिलीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनकी देखरेख में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सरोजनी नगर वृद्धाश्रम में योग शिविर शुरू, स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग थीम पर 21 जून तक चलेगा शिविर

योग के साथ साथ आहार-विहार का विशेष ध्यान रखना चाहिए - डॉ कल्पना सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान, संदीप नेचुरोपैथी फाउंडेशन व लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड नेचुरोपैथी साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में 15 जून को सरोजिनी नगर स्थित सार्वजनिक शिक्षोन्नयन संस्थान वृद्धाश्रम में योग एवं ध्यान शिविर का शुभारंभ हुआ। इस वर्ष की आधिकारिक थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग को केंद्र में रखकर आयोजित शिविर 21 जून तक चलेगा। मुख्य योग प्रशिक्षिका स्वाति सिंह ने आयुष मंत्रालय के प्रोटोकॉल के अनुसार सभी वृद्ध पुरुष-महिलाओं को योग-ध्यान का अभ्यास कराया। संदीप नेचुरोपैथी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. कल्पना सिंह ने कहा कि वृद्धावस्था में योग-ध्यान जरूरी है, लेकिन हमेशा प्रशिक्षित योग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में ही करना चाहिए। मानसिक शांति के लिए दिनचर्या में ध्यान शामिल करें और आहार-विहार का विशेष ध्यान रखें। लखनऊ इंस्टीट्यूट की निदेशक शिवानी ने स्वस्थ रहने के लिए बुरी आदतें छोड़कर अच्छी स्वास्थ्य आदतें अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्री देवी ने किया। समापन पर संस्थान के सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर के.वी. बाजपेयी ने सभी प्रतिभागियों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी और धन्यवाद ज्ञापित किया। शिविर में सैकड़ों वृद्धजन उपस्थित रहे।

कोरबा के भूविस्थापितों की आवाज संसद में उठाई जाएगी, मांगें जायज– अमराराम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

कोरबा। कोरबा जिले के भू-विस्थापितों की मांगों को जायज ठहराते हुए माकपा के सांसद, अखिल भारतीय किसान सभा के उपाध्यक्ष और पार्टी के पोलिट ब्यूरो के सदस्य अमराराम ने उनकी आवाज को संसद में उठाने का आश्वासन दिया। महाराष्ट्र और राजस्थान के आदिवासियों और किसानों के आंदोलनों, भूमि अधिग्रहण अध्यादेश और तीन किसान विरोधी कानूनों के खिलाफ चले देशव्यापी आंदोलन के अनुभवों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की व्यापक एकता और सड़कों पर उनका जुझारू आंदोलन ही भाजपा सरकार को भू-विस्थापितों की मांगों को पूरा करने को बाध्य करेगा, अन्यथा तो उन्हें अडानी-अंबानी जैसे कॉरपोरेटों की सेवा करने से ही फुर्सत नहीं मिलती। माकपा सांसद अमराराम ने यहां छत्तीसगढ़ किसान सभा और भू विस्थापित रोजगार एकता संघ द्वारा आयोजित एक आमसभा को संबोधित किया, जिसके बाद भूविस्थापितों ने रैली निकालकर जिलाधीश कार्यालय का घेराव किया तथा उनके नेतृत्व में जिलाधीश को मांग पत्र सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश में भाजपा सरकार मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का नाटक कर रही है, लेकिन दूसरी ओर बस्तर, सरगुजा और हसदेव के जंगलों को कॉरपोरेटों को सौंप रही है। यह सरकार गरीबों से उनकी भूमि और आजीविका छीन रही है और भूमि अधिग्रहण के बदले प्रभावितों को रोजगार और मानवीय पुनर्वास तक देने को तैयार नहीं है। मुआवजा देने के नाम पर भी भारी भेदभाव किया जा रहा है। पिछले 40 साल से भूविस्थापित अपने रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस पीड़ा को संसद में उठाया जाएगा और मोदी सरकार और कोल इंडिया की जवाबदेही तय की जाएगी। सभा को किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव अवधेश कुमार तथा आदिवासी एकता महासभा के बाल सिंह तथा किसान सभा नेता प्रशांत झा ने भी संबोधित किया। सभा के बाद रैली निकली और जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में छोटे खातेदारों को रोजगार देने, भूविस्थापितों के लंबित रोजगार प्रकरणों के निराकरण, पूर्व में अधिग्रहित जमीन की वापसी, पट्टा, आंशिक अधिग्रहण पर रोक लगाने, पेयजल की व्यवस्था करने, बसावट एवं खनन प्रभावित गांवों की अन्य समस्याओं का ज़िक्र किया गया है। रैली और घेराव में हसदेव, सरगुजा संभाग, रायगढ़, बांगो बांध से प्रभावित किसान भी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कपिल देव, दीपक साहू, दामोदर श्याम, रेशम यादव, कौशल्या, फिरतू बिंझवार, दिलहरण सारथी, रामलाल करियारे, बलराम यादव, शिवरतन कंवर, सोनम साहू, रमेश दास, मनोज विश्वकर्मा, घासी के साथ बड़ी संख्या में प्रभावित क्षेत्र के भू विस्थापित उपस्थित थे। विस्थापितों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं ः 1) एसईसीएल द्वारा आज तक अधिग्रहीत भूमि पर, वन टाइम सेटलमेंट कर, सभी लंबित रोजगार प्रकरणों का छह माह के भीतर निराकरण करके प्रभावितों को स्थायी रोजगार दिया जाएं। 2) आज तक के अधिग्रहणों के सभी प्रकरणों में और भविष्य में होने वाले अधिग्रहण में, प्रभावित सभी छोटे खातेदारों (2 एकड़ से कम भूमि वाले) को अनिवार्य रूप से स्थायी रोजगार दिया जाएं। 3) भू-अर्जन के बाद विस्थापित परिवारों में जन्म लेने वाले बच्चों के रोजगार के दावे स्वीकार करके उन्हें स्थायी रोजगार दिया जाएं। 4) अलग-अलग खातों के संयोजन के कारण रोजगार से वंचित लोगों को चिह्नित करके और उनके दावे स्वीकार करके उन्हें स्थायी रोजगार प्रदान किया जाये। आंशिक अधिग्रहण पर रोक लगाई जाए। 5) कोयला खनन की समाप्ति के बाद पुराने अर्जित भूमि को सुधारकर मूल खातेदारों को वापस किया जाएं। 6) अधिग्रहण के बाद 5 सालों के भीतर जिन जमीनों पर कोल इंडिया ने भौतिक कब्जा नहीं किया है और जिन अधिग्रहित जमीनों पर किसान ही पीढ़ियों से काबिज हैं, ऐसी जमीन मूल भूस्वामी किसान या उसके उत्तराधिकारी को हस्तांतरित की जाएं तथा ऐसी जमीनों का भूस्वामित्व उन्हें प्रदान किया जाएं। 7) अधिग्रहण से प्रभावित भू-विस्थापित किसानों के लिए उनकी सहमति के साथ पुनर्वास स्थल का चयन किया जाएं तथा बुनियादी मानवीय सुविधाओं की उपलब्धता के साथ उनका पुनर्वास किया जाएं। इन स्थलों/गांवों में पुनर्वासित परिवारों को उनके कब्जे की भूमि के पट्टे दिए जाएं। 8) खनन प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था किया जाए। 9) खनन प्रभावित गांवों एवं पुनर्वास गांव की महिलाओं को स्वरोजगार योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराया जाये। 10) एसईसीएल में आऊट सोर्सिंग से होने वाले कार्यों में भू-विस्थापितों एवं खनन प्रभावित गांवों के 100ह बेरोजगारों को100ह रोजगार दिया जाएं। इसके बाद ही अन्य लोगों को रोजगार दिया जाएं। 11) भूमि अधिग्रहण से प्रभावित ऐसे भू-विस्थापित, जिन्हें बसावट नहीं दिया गया है, उन्हें बसावट प्रदान किया जाए। बसावट के नाम पर भेदभाव बंद किया जाए और सभी क्षेत्रों के भू-विस्थापितों को बसावट के लिए एक समान राशि 15 लाख रुपए दिए जाए। 12) डंपिंग की मिट्टी को खोदे गए खदान में वापस भरा जाए। इस मिट्टी का किसी दूसरे कार्यों में प्रयोग ना किया जाए। 13) एसईसीएल कुसमुंडा द्वारा वर्ष 2018 में गेवरा में अधिग्रहीत भूमि के लिए किसानों को तत्काल नवीनतम दरों पर मुआवजा और स्थायी रोजगार आदि दिया जाए ; अन्यथा पूर्व में जारी अधिग्रहण रद्द किया जाए। 14) डी-पिल्लरिंग से प्रभावित गांव सुराकछार बस्ती में किसानों को हुये नुकसान का क्षतिपूर्ति मुआवजा प्रदान किया जाये। 15) शासन की योजनाओं से प्राप्त पट्टों एवं शासकीय और वन भूमि पर बने मकानों का भी मुआवजा एवं सौ प्रतिशत सोलिशियम राशि दी जाएं और बसाहट के सभी लाभ उन्हें दिया जाये । 16) बांगों बांध जलाशय में ठेका प्रणाली समाप्त किया जाएं और विस्थापित आदिवासी एवं स्थानीय मछुवारा समितियों को मछली पकड़ने का अधिकार दिया जाए। 17) जिले की विभिन्न सहकारी समितियों में खाद की भयानक कमी है। शासन ने प्रति किसान खाद की जो मात्रा निर्धारित की है, वह प्रति एकड़ कृषि की जरूरत का केवल आधा ही है। इससे फसल उत्पादन प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगा। किसानों पर जैविक और नैनो खाद लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है। अतः निर्धारित खाद की दुगुनी मात्रा किसानों को उपलब्ध कराया जाएं, ताकि खेती-किसानी को बचाया जा सके।

आरटीओ कार्यालय के गेट पर बड़ा हादसा, स्कॉर्पियो-स्कूटी की टक्कर में दो युवतियां घायल

❑ गेट नंबर-1 पर विजिबिलिटी की समस्या बनी दुर्घटना का कारण, लोगों ने गेट नंबर-2 खोलने की उठाई मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के गेट नंबर-1 पर सोमवार शाम एक सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार दो युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब आरटीओ कार्यालय परिसर से एक स्कॉर्पियो वाहन बाहर निकल रहा था और उसी दौरान सड़क से गुजर रही स्कूटी उसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार शाम करीब पांच बजे आरटीओ कार्यालय के मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार गेट नंबर-1 से एक स्कॉर्पियो वाहन बाहर निकल रहा था। उसी समय सड़क की ओर से स्कूटी पर सवार दो युवतियां गेट के सामने पहुंचीं। गेट के दोनों ओर

अव्यवस्थित तरीके से खड़े वाहनों के कारण सड़क और गेट के बीच दृश्यता काफी कम हो गई थी। इसी वजह से स्कॉर्पियो चालक को स्कूटी समय रहते दिखाई नहीं दी और दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी सवार दोनों युवतियां सड़क पर गिर गईं और उन्हें गंभीर चोटें आईं। हालांकि दोनों युवतियों ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए घायलों को तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों युवतियों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और वाहन स्वामियों में परिवहन विभाग की व्यवस्थाओं को लेकर नाराजगी देखी गई। लोगों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन परिवहन विभाग के मुख्य कार्यालय के गेट पर ही सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। हादसे के काफी देर बाद तक कोई जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, जिससे लोगों में रोष व्याप्त रहा। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों का कहना है कि आरटीओ कार्यालय में आने-जाने के लिए वर्तमान में केवल गेट नंबर-1 का ही उपयोग किया जा रहा है, जबकि गेट नंबर-2 लंबे समय से बंद है। इससे रोजाना वाहनों का दबाव बढ़ता है, जाम की स्थिति बनती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए गेट नंबर-2 को भी जल्द खोला जाए तथा गेट के आसपास खड़े होने वाले वाहनों पर नियंत्रण कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उत्तर प्रदेश में पहली बार आयोजित होगा दो दिवसीय यूपी स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रदेश में लघु पशुपालन क्षेत्र के समग्र विकास, रोजगार सृजन, उद्यमिता संवर्धन एवं पशुपालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में पहली बार यूपी स्मॉल लाइवस्टॉक कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन 17 एवं 18 जून 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया जा रहा है। यह आयोजन पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश एवं डी.आर.ई.ए.एम.एस. के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह तथा राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला द्वारा किया जाएगा। इस दो दिवसीय आयोजन में देशभर के प्रतिष्ठित उद्यमी, वैज्ञानिक, कृषि एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ, वित्तीय संस्थान, स्टार्टअप, स्वयंसेवी संगठन तथा प्रगतिशील पशुपालक सहभागिता करेंगे। कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य भेड़, बकरी एवं सूकर पालन से जुड़े हितधारकों और पशुपालकों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना है, जहां आधुनिक तकनीकों, नवीन शोध,

व्यावसायिक अवसरों, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, विपणन एवं निवेश संबंधी संभावनाओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक एवं तकनीकी सत्र, पशुपालक-उद्यमी संवाद, स्टार्टअप एवं नवाचार प्रस्तुतिकरण, उद्योग एवं संस्थागत प्रदर्शनी, वित्त एवं निवेश अवसरों पर चर्चा, सफल पशुपालकों के अनुभव साझा कार्यक्रम तथा कौशल विकास प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा महिलाओं एवं युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने का एक प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। वर्तमान में भेड़, बकरी एवं सूकर पालन के क्षेत्र में उत्पादन, प्रसंस्करण तथा विपणन से जुड़े अनेक नए अवसर उपलब्ध हैं। इन अवसरों को प्रदेश के पशुपालकों एवं उद्यमियों तक पहुंचाना इस कॉन्क्लेव का प्रमुख लक्ष्य है। पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के पशुपालकों, उद्यमियों, निवेशकों, शोधकर्ताओं, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं अन्य संबंधित हितधारकों से इस महत्वपूर्ण आयोजन में सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया है।

कवि विजय तन्हा को अनागत मार्तंड एवं डॉ. रागिनी वर्मा को अनागत कविता चंद्रिका सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अ भा अनागत साहित्य संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में संस्थान कार्यालय में अनागत काव्य एवं सम्मान गोष्ठी आयोजित की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कर्नल गुर्जर लखनवी ने की। मुख्य अतिथि जी सी कुशवाहा, विशिष्ट अतिथि सम्पत्ति कुमार मिश्र भ्रमर वैश्वारी थे। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। वाणी वंदना गिरिराज शर्मा ठेठ मलिहाबादी ने किया।अनागत कविता आंदोलन के प्रणेता डॉ. अजय प्रसून की विशेष उपस्थिति रही। कुशल संचालन डॉक्टर आर एस विश्वकर्मा सजल ने किया। इस अवसर पर विजय तन्हा को अनागत मार्तण्ड सम्मान एवं डॉ. रागिनी वर्मा को अनागत कविता चंद्रिका सम्मान संस्था द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. एल पी गुर्जर लखनवी, जी.एल.गांधी, कैप्टन सरोज सिंह, गिरिराज शर्मा ठेठ मलिहाबादी, प्रवीण कुमार पांडेय आवारा, राम राज भारती, डॉ. अजय प्रसून, मीरा शुक्ला, चन्द्रामती , संदीपिका दीक्षित, स्वतंत्र शुक्ल, उपेंद्र सिंह सुमन, मो.अबरार, डॉ. सुभाष गुरुदेव, राम मूर्ति सिंह %अधीर%, विदुषी विदु, संपत्ति कुमार मिश्र भ्रमर वैश्वारी, जी.सी. कुशवाहा, प्रतिभा सिंह, राम सनेही विश्वकर्मा सजल, कन्हैया लाल, जितेंद्र कुमार गंगवार जय, कुलदीप सिंह, महेश गुप्ता महेश, पंडित विजय लक्ष्मी मिश्रा,सुरेश चंद्र गुप्ता श्याम, विनय सिंहा, इंदु प्रकाश द्विवेदी, नवल किशोर त्रिपाठी, विजय तन्हा , डॉ. रागिनी वर्मा, अनिल कुमार जायसवार पंडित बेअदब लखनवी,डॉ. सरिता कटियार सदाबहार,नय्यर विश्वानी, डॉ.हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, मुकेशानंद आदि ने अपने गीत गजल छंद एवं मुक्तकों से सबको भाव विभोर कर दिया।धन्यवाद ज्ञापन ओज कवि मुकेशानंद ने दिया।

ग्रैविटी इवेंट्स एंड डांस स्टूडियो द्वारा समर फ्लाइट 5 - स्टूडेंट्स शोकेस का सफल आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। संस्कृति स्कूल ऑडिटोरियम में छात्रों ने शानदार प्रस्तुतियों से पूरे दर्शक वर्ग को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान दर्शकों की तालियों और उत्साह ने आयोजन को यादगार बना दिया। ग्रैविटी इवेंट्स एंड डांस स्टूडियो पिछले 25 वर्षों से भारतीय कला और संस्कृति को नृत्य के माध्यम से बढ़ावा देने के लिए समर्पित संस्था है। यह संस्थान इंडियन क्लासिकल डांस के साथ-साथ बॉलीवुड, सेमी-क्लासिकल, कंटेम्पररी, हिप-हॉप, जैज़, बैले एवं अन्य विभिन्न नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण देकर युवा प्रतिभाओं को निरंतर मंच प्रदान कर रहा है। इस भव्य शोकेस का आयोजन ग्रैविटी इवेंट्स और ग्रैविटी डांस स्टूडियो के संस्थापक लक्ष्मी मेहरोत्रा एवं सचिन मेहरोत्रा के नेतृत्व में किया गया। उनकी दूरदृष्टि, समर्पण और जुनून ने शहर में डांस एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स के लिए एक मजबूत मंच तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में किड्स, टीन्स एवं लेडीज़ बैच के विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास, अनुशासन, टीमवर्क और नृत्य के प्रति अपने जुनून को मंच पर बेहतरीन प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। वेन्यू पार्टनर्स ला जोई प्राइमरी लर्निंग हैबिटेट एवं संस्कृत? स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अपनी ऊर्जावान और आकर्षक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। इस आयोजन का मार्गदर्शन प्रतिभाशाली इन-हाउस इंस्ट्रक्टर्स अमन, ओम, भूमि और विवेक ने किया। वहीं गेस्ट इंस्ट्रक्टर्स सनी, आरव, आकाश, रवि, सोना, सचिन और मनीष ने भी कार्यक्रम को विशेष बनाया। क्यूरेटेड इंस्ट्रक्टर्स शुभम और भानवी के साथ मास्टर इंस्ट्रक्टर मोहित सोलंकी ने समर फ्लाइट की इस यात्रा में प्रेरणा और विशेष योगदान दिया। कृष्णा मेहरोत्रा ने भी एक उत्साही एवं समर्पित इंटर्न के रूप में कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और पूरे शोकेस के दौरान बैकस्टेज एवं मैनेजमेंट कार्यों में सक्रिय सहयोग दिया। वहीं सीनियर स्टूडेंट्स अमृतांशी एवं अंशिमा ने भी इंटर्न की तरह जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए आयोजन को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रस्तुत पावर-पैक्ड इंस्ट्रक्टर शोकेस परफॉर्मेंस को दर्शकों ने विशेष रूप से सराहा, जो शाम के प्रमुख आकर्षणों में से एक रहा। ग्रैविटी इवेंट्स एंड डांस स्टूडियो ने संस्कृत? स्कूल के प्रिंसिपल अभिषेक श्रीवास्तव एवं ला जोई प्राइमरी लर्निंग हैबिटेट की डायरेक्टर सुश्री आक्शी जे. मेहता का उनके सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

मिशन 2027 को लेकर अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी का विराट कार्यकर्ता सम्मेलन एवं पदाधिकारी बैठक सम्पन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी उत्तर प्रदेश इकाई के तत्वावधान में राजधानी लखनऊ स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह, पीडब्ल्यूडी भवन, निकट राजभवन में मिशन 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विराट कार्यकर्ता सम्मेलन एवं पदाधिकारी बैठक का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम नारायण चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की राजनीति में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि जातिवाद और भेदभाव की राजनीति से समाज कमजोर होता है, जबकि सामाजिक समरसता और समान अवसर राष्ट्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष नाम सिंह ने मिशन 2027 की रणनीति पर विस्तार से

चर्चा की। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और कार्यकर्ताओं की मेहनत ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं, किसानों और आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग की। किसानों की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि खेती की बढ़ती लागत, सिंचाई, बिजली तथा फसलों के उचित मूल्य जैसी समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा का संकल्प दोहराया। बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, सोशल मीडिया सशक्तिकरण, बूथ प्रबंधन एवं आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 को सफल बनाने के लिए पूर्ण समर्पण एवं सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं पत्रकार बंधुओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती ही आगामी राजनीतिक सफलता की आधारशिला बनेगी। कार्यक्रम का समापन समता से समृद्धि तक, सर्वजन हिट हमारा पथ तथा मिशन 2027 सफल बनाएं के उद्घोष के साथ हुआ। इस विराट कार्यकर्ता सम्मेलन को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव वीरेंद्र मिश्रा %विरही% जी राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विजय कुमार पांडेय, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं प्रवक्ता रमाकांती त्रिपाठी, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी गाजीपुर बृजभूषण मारकंडेय, राष्ट्रीय सचिव अरुण द्विवेदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता राम तिवारी, राष्ट्रीय सचिव सिद्धार्थ नाथ गुप्ता तथा पूर्व आईपीएस अधिकारी जुगल किशोर तिवारी आदि लोगों ने संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष दीपक पांडेय ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में अतुल सिंह राधेश्याम सिंह दिलीप तिवारी मनीष त्रिपाठी ऋषि नाथ सर्वेंद्र कुमार तिवारी बालेंद्र कुमार चौबे धीरज पांडे ओमप्रकाश चौबे राकेश सिंह प्रवीण मिश्रा सोनू मणि त्रिपाठी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

बीएसएनवी कॉलेज में ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशाला का आगाज, कथक व शास्त्रीय गायन सीखेंगे छात्र

प्राचार्य प्रो. संजय मिश्रा ने किया उद्घाटन, भातखंडे विश्वविद्यालय व संस्कृति विभाग कर रहे सहयोग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीएसएनवीपीजी कॉलेज, लखनऊ के अमर शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा कल्चरल क्लब द्वारा आयोजित

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ 15 जून को प्राचार्य प्रोफेसर संजय मिश्रा ने दीप प्रज्वलन कर किया। संयोजिका प्रोफेसर ज्योति काला तथा सह संयोजक प्रोफेसर डी. के. गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय और संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के सौजन्य से प्रायोजित यह द्विसाप्ताहिक कार्यशाला 15 दिन तक चलेगी। इसका उद्देश्य छात्रों को भारतीय संस्कृति, कला और संगीत की बारीकियों से जोड़ना है। कार्यशाला में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना पूजा गुप्ता कथक के बोल, तोड़े, तुकड़े और अभिनय पक्ष का प्रशिक्षण देंगी। वहीं शास्त्रीय गायन के जानकार अनुराग तिवारी रागों, तालों और स्वर साधना की बारीकियां सिखाएंगे। उद्घाटन के अवसर पर प्राचार्य प्रो. संजय मिश्रा ने कहा कि आज के समय में छात्रों का सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़ना जरूरी है। इससे न सिर्फ उनका व्यक्तित्व निखरता है, बल्कि तनाव भी कम होता है। उन्होंने भातखंडे विश्वविद्यालय और संस्कृति विभाग का आभार जताया जिनके सहयोग से यह कार्यशाला संभव हो पाई। क्लब के संयोजक ने बताया कि कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। 15 दिन के प्रशिक्षण के बाद समापन समारोह में सभी प्रशिक्षु कथक नृत्य और शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। छात्र इस प्रदर्शन को लेकर काफी उत्साहित हैं और रोजाना रियाज कर रहे हैं। कार्यक्रम में कॉलेज के कई शिक्षक व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

समाचार

ज्ञान गोष्ठी आयोजित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्थान अवधेश्वर महादेव शिव मन्दिर, बी ब्लॉक, राजाजीपुरम में संस्कार भारती, लखनऊ की ओर से ज्ञान गोष्ठी का आयोजन किया गयाद्य गोष्ठी की अध्यक्षता विमल सक्सेना, योग गुरु, अनंत उड़ान ने की, मुख्य वक्ता डॉ. हरी प्रकाश %हरि%, से.नि. विशेष सचिव, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश रहेद्य गोष्ठी में मन्दिर के पुजारी पूजनीय पं. शिव प्रसाद उपाध्याय, राजेश श्रीवास्तव, विनय पाठक, कमल, ज्ञान श्रीवास्तव, डॉ. एस.पी. शुक्ल एवं आदित्य तिवारी उपस्थित रहेद्य गोष्ठी में मुख्यतः ज्ञानवान और बलवान के संतुलित सामंजस्य पर चर्चा हुई। अर्थात हम ज्ञानवान होने के साथ-साथ यदि बलवान नहीं हैं, तो जग नहीं सुनता कभी दुर्बल जनों का शांति प्रवचन सर झुकाता है उसे जो कर सके रिपु मान मर्दन इसी भाव भूमि पर निष्कर्ष यह रहा की शास्त्र के साथ-साथ शस्त्र भी होना अनिवार्य है। हमारे सभी देवी देवता अपने हाथों में शास्त्र के साथ शस्त्र भी धारण करते हैं और गीता भी हमें यही संदेश देती है --अंततः युद्ध कर विजय प्राप्त करने पर ही ज्ञान का सही सदुपयोग होता है। हनुमान जी भी महा ज्ञानी थे। यदि वह बल प्रयोग के साथ राम का सहयोग न कर पाते, तो शायद राम के परंप्रिय भक्त भी ना बन पाते। इसी भाव भूमि पर पूरी चर्चा रही कि-- धर्मो रक्षति रक्षित- जो धर्म की रक्षा करते हैं धर्म उनकी रक्षा करता है। देवो दुर्बल घातक- देव भी दुर्बल के लिए घातक होते हैं। बकरे की सब बलि देते हैं, सिंह की कोई बलि नहीं देता। अर्थात हम ज्ञानवान होने के साथ-साथ बलवान भी बनें। इसी निष्कर्ष के साथ गोष्ठी संपन्न हुई।

नाबालिक किशोरी के साथ दुष्कर्म,मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में एक युवक ने किशोरी को अपनी प्रेमजाल में फंसा बहाने से अपनी झोपडी में साथ ले जाकर दुष्कर्म कर डाला।आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 16 वर्षीय किशोरी की मां ने आरोप लगाया है कि रतनखंड झोपड़पट्टी में रहने वाला आरोपित युवक सहजमाल पुत्र सैमसुल ने उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर अपनी जाल में फंसा घर से भगा ले गया था, और अपने झोपडी में ले जाकर उनकी नाबालिक पुत्री से जबरन दुष्कर्म कर डाला। आशियाना इंस्पेक्टर के अनुसार किशोरी की मां की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपित का तलाश किया जा रहा हैं। आरोपित मूलरूप से आसाम का रहने वाला है।

पांच दिवसीय योग कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। आशियाना इलाके में स्थित स्मृति उपवन पार्क में पांच दिवसीय योग कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार सुबह हुआ। कार्यक्रम के संयोजक एवं योग शिक्षक ए के टंडन नें बताया कि यह आयोजन आयुष विभाग नगर निगम एवं लखनऊ विकास प्राधिकरण के सौजन्य से किया जा रहा है। योग कार्यक्रम के प्रथम दिन डा सीमा,डा राकेश व पार्षद कमलेश सिंह की उपस्थित रहे । यह आयोजन प्रतिदिन सुबह 6-7 बजे तक होगा और योग कार्यक्रम का समापन योग 21 जुन को होगा । पहले दिन बडी संख्या में स्थानीय गणमान्य लोगों नें हिस्सा लिया ।

ट्रेन की टक्कर से महिला की मौत, नहीं हो सकी शिनाख्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

आलमबाग। कृष्णा नगर इलाके के केसरी खेड़ा रेलवे फाटक निकट देर रात एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई,रेलवे पुलिस की सूचना पर पहुंची स्थानीय कृष्णा नगर पुलिस ने मृतक महिला की शिनाख्त कराने की कोशिश की लेकिन मृतका की पहचान नहीं हो सकी ।कृष्णा नगर कोतवाली प्रभारी पीके सिंह ने बताया कि मृतका की उम्र करीब 50 वर्ष के आसपास है।मृतका ने काले लाल रंग की साड़ी पहन रखा है। मृतका की पहचान का काफी प्रयास किया गया लेकिन मृतक महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी। फिलहाल शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संदीप कुमार सिंह की हत्या का एक लाख के इनामी गंगाराम यादव को एसटीएफ ने धर दबोचा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चर्चित प्रॉपर्टी डीलर संदीप कुमार सिंह हत्याकांड में एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है. इस मामले में एक लाख रुपये के इनामी आरोपी गंगाराम यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है. जांच में सामने आया है कि संदीप कुमार सिंह की हत्या के लिए शूटरों की व्यवस्था कराने में गंगाराम की अहम भूमिका थी. आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई के लिए पीजीआई पुलिस को सौंप दिया गया है. 27 मई 2026 को लखनऊ के पीजीआई क्षेत्र में चर्चित प्रॉपर्टी डीलर संदीप कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था. मामले में थाना पीजीआई में मुकदमा संख्या 291/2026 दर्ज किया गया था. हत्या की जांच उत्तर प्रदेश एसटीएफ और स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही थी, जिसमें लगातार आरोपियों की तलाश जारी थी. जांच के दौरान एसटीएफ को गंगाराम यादव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली. गंगाराम यादव पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था. एसटीएफ की टीम ने देर रात उसे लखनऊ के आलमबाग बस स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की गई, जिसमें कई अहम खुलासे हुए हैं. पूछताछ में गंगाराम यादव ने स्वीकार किया कि उसने संदीप कुमार सिंह की हत्या के लिए शूटरों की व्यवस्था कराने में मदद की थी. उसने बताया कि यह काम उसने दिनेश कुमार यादव और उसके चालक मुकर्रबीन के कहने पर किया था. जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि हत्या की पूरी साजिश कैसे रची गई और इसमें किन-किन लोगों की अहम भूमिका रही. एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी गंगाराम यादव उत्तर प्रदेश के अम्बेडकरनगर जिले का निवासी है. इससे पहले इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. गंगाराम की गिरफ्तारी को इस हत्याकांड की जांच में बड़ी सफलता माना जा रहा है. फिलहाल आरोपी को पीजीआई पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है, जहां उससे आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

सवर्ण आर्मी की मासिक बैठक में संगठन विस्तार पर जोर

राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठन को घर-घर पहुंचाने का दिया संदेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर क्षेत्र के गहरू स्थित जानकीजीवनम गेस्ट हाउस में रविवार को सवर्ण आर्मी लखनऊ इकाई की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय एवं वरिष्ठ पत्रकार पुनीत ओझा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया।बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं विस्तारित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सवर्ण आर्मी का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ते हुए संगठनात्मक एकता को मजबूत करना है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने जिला एवं मंडल स्तर के पदाधिकारियों को संगठन के विस्तार हेतु गांव-गांव और घर-घर पहुंचने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष अभय दुबे, जिला प्रभारी करुणाशंकर उपाध्याय, जिला महासचिव डॉ. अजीत कुमार गुप्ता, जिला प्रवक्ता राम उजागर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष सूर्य कुमार पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव डॉ. अजीत कुमार गुप्ता एवं सुरेन्द्र पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजीव सिंह ने मातृशक्ति पर आधारित कविता प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। वहीं जिला उपाध्यक्ष सूर्य कुमार पाण्डेय ने संगठन को और अधिक मजबूत तथा व्यापक बनाने का संदेश दिया। जिला प्रवक्ता राम उजागर तिवारी ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने सवर्ण आर्मी की विचारधारा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया।बैठक के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर सवर्ण एकता और संगठन के विस्तार का संकल्प लिया। सभी ने मिलकर सवर्ण आर्मी को लखनऊ के प्रत्येक क्षेत्र और घर-घर तक पहुंचाने की शपथ ली। कार्यक्रम का समापन संगठन की मजबूती एवं सामाजिक एकता के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही, जिससे संगठन के प्रति कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

संपादकीय

महंगा होता इलाज

ऐसे वक्त में जब महंगाई के कारण जीवनयापन कठिन हो रहा है, नेशनल फर्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी यानी एन.पी.पी.ए. द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में वृद्धि की इजाजत देना कमजोर वर्गों के लिए 'कंगाली में आटा गीला होना' जैसा है। एन.पी.पी.ए. द्वारा जिन दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की इजाजत दी गई है, उनमें कुछ कैंसर की दवाएं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के टीकों की कीमतों में पचास प्रतिशत की वृद्धि शामिल है। निश्चय ही यह फैसला पब्लिक हेल्थ पॉलिसी से जुड़ी विसंगतियों को दर्शाता है। निस्संदेह, भारत जैसे देश में जरूरी दवाओं को सस्ता रखना बेहद जरूरी है, जहां बहुत से परिवार इलाज का खर्च अपनी जेब से उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर, यह भी जरूरी है कि जीवनरक्षक दवाओं की बाजार में सहज उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बहुत संभव है कि अमेरिका-ईरान युद्ध संकट से बाधित आपूर्ति शृंखला के चलते कुछ दवाइयों व टीकों की कीमतों में बढ़ोतरी को तार्किक बताया जाए, लेकिन चिकित्सा व्यवस्था में अमीर-गरीब की आर्थिक क्षमता को लेकर उठने वाले सवाल न्यायसंगत ही कहे जाएंगे। दरअसल, एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कमी और बढ़ती लागत को कीमत वृद्धि का कारण बताया है। दलील दी गई कि यदि दवा बनाने वाली कंपनियां इनकी उत्पादन लागत नहीं निकाल पाती हैं तो वे खुले बाजार में इन दवाइयों की आपूर्ति बंद कर सकती हैं। लेकिन इसके बावजूद गरीब तबके की सीमाओं और आर्थिक स्थिति का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। बहरहाल, इस बाबत दी गई दलीलों के बावजूद एक सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता कि इस देश में करोड़ों लोग बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च उठाने के लिए संघर्ष करते हैं। निर्विवाद रूप से कैंसर के इलाज और बच्चों को बीमारियों से बचाने वाली दवाइयों की कीमतों में पचास फीसदी बढ़ोतरी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को गहरे आर्थिक संकट में डाल सकती है। मरीजों के लिए इलाज के खर्च में दवाओं के अलावा, रोग की जांच, दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों तक की यात्रा, अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तथा इस दौरान होने वाली आय की हानि भी शामिल होती है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अतिरिक्त बोझ उन्हें इलाज और जीवित रहने के बीच कई मुश्किल फैसले लेने को मजबूर कर सकता है। इसका समाधान किफायती होने और उपलब्धता के बीच चयन करने में नहीं है, बल्कि एक ऐसा तंत्र विकसित करने में है, जो दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। सरकार को सरकारी अस्पतालों के लिए दवा खरीद व्यवस्था को पारदर्शी व मजबूत बनाने की जरूरत है। उसे सरकारी अस्पतालों के जरिये बिना किसी बाधा के दवाइयों की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में जरूरी दवाइयों को भी शामिल करना चाहिए, जिससे खास सब्सिडी के जरिये गरीब मरीजों को अचानक कीमतों में बढ़ोतरी से बचाया जा सके। इसके अलावा, दवाइयों की कीमतों से जुड़ी नीतियों की समय-समय पर समीक्षा भी होनी चाहिए, जिससे पता चल सके कि वास्तव में दवाइयों की लागत में कितनी वृद्धि हुई है।

सत्ता ही 'जनार्दन' है!

अब यह भारतीय लोकतंत्र और राजनीति का नया मुहावरा होना चाहिए। हम सुनते आए थे कि जनता 'जनार्दन' होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सार्वजनिक मंचों से यह कई बार स्वीकार किया है और चुनाव के बाद जनता के सामने नतमस्तक भी हुए हैं। दरअसल लोकतंत्र के शास्त्रीय अर्थ तो यही हैं, क्योंकि जनता ही जन-प्रतिनिधि चुनती है। प्रधानमंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, कद्दावर नेताओं को खारिज कर सत्ता से बाहर भी करती रही है, लेकिन अब भाजपा नए किस्म की राजनीति गढ़ रही है। फिलहाल पश्चिम बंगाल का ही उदाहरण लें। भाजपा ने चुनाव में 15 साल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को करारी पराजय दी है। यह जनादेश स्पष्ट है, लेकिन भाजपा इसी से संतुष्ट नहीं है। तृणमूल के भीतर बगावत, टूट और पाला-बदल कोई वैचारिक और नैतिक नहीं है। दरअसल भाजपा तृणमूल को तोड़ कर, अंततः, ममता बनर्जी को 'पार्टीहीन' करने पर आमादा है। दिलचस्प यह है कि बंगाल में तृणमूल का बागी गुट प्रमुख विपक्षी दल है, लिहाजा उसके नेता ऋतब्रत बनर्जी को स्पीकर ने 'नेता प्रतिपक्ष' की मान्यता दी है। दिल्ली में तृणमूल के 20 लोकसभा सांसदों ने 'अलग गुट' के तौर पर, बैठने की अलग व्यवस्था करने के लिए, स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखा है। संभवतः स्पीकर सोमवार, 15 जून को, बागी सांसदों से मुलाकात करेंगे और उनके हस्ताक्षरों की पुष्टि करेंगे। सांसदों का बागी गुट एनडीए को समर्थन देना चाहता है। बाद में वे भाजपा में भी विलीन हो जाएं, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। सहज सवाल यह है कि आखिर विपक्ष कौन है? तृणमूल विपक्षी दल है अथवा एनडीए का संभावित घटक? बंगाल में विधायकों और सांसदों को जनादेश क्या मिला थे? केवल जनादेश भाजपा के खिलाफ थे, लेकिन अब कमोबेश सांसद सत्ता-समर्थक हो रहे हैं। यह कौन-सी राजनीति या जनादेश की व्यवस्था है? क्या अब संवैधानिक शुचिता या नैतिकता की बात करना ही छोड़ दें? सर्वोच्च अदालत ने भी विभाजन, टूट-फूट विधायक अथवा संसदीय दल में नहीं माना था। शायद ऐसा संविधान-पीठ का फैसला है। शीर्ष अदालत पार्टी के भीतर दोफाड़ और दलबदल को 'विभाजन' मानती है, लिहाजा तृणमूल के भीतर भाजपा जो करवा रही है, वह असंवैधानिक है। ममता बनर्जी को इसकी पर्याप्त जानकारी होगी, तभी उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तय करने के स्पीकर के फैसले को कोलकाता उच्च न्यायालय में चुनौती दे रखी है। सवाल दलबदल का इतना गंभीर नहीं है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से बागी तृणमूल सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय ने, एक और बागी शताब्दी रॉय के साथ, मुलाकात और विमर्श किया है। सुदीप ने गृहमंत्री अमित शाह से भी करीब 30 मिनट तक मुलाकात, बातचीत की है। सुदीप कभी तृणमूल के संसदीय नेता और ममता के बेहद भरोसेमंद होते थे। रविवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी एक बार फिर बागी सांसदों की बैठक में उपस्थित रहे। यदि तृणमूल के तिनका-तिनका होने या करने में भाजपा की कोई भूमिका नहीं है, तो केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बागी चेहरों से लगातार, बार-बार, मुलाकातें क्यों कर रहे हैं? क्या बार-बार चाय पीने का मन करता है? दरअसल इस राजनीति ने नया मुहावरा यह गढ़ दिया है कि अब विपक्ष भी 'सत्तामय' होगा! कोई ताकतवर, प्रतिद्वंद्वी विपक्ष नहीं होगा! यदि राजनीतिक तौर पर किसी दल या जन-प्रतिनिधि को जिंदा रहना है, तो भाजपा के मुताबिक ही चलना पड़ेगा। अब चुनाव के दौरान भी जनता नहीं, सत्ता और उसके प्रबंध नहीं, 'जनार्दन' होंगे! क्या इसी तरह धीरे-धीरे लोकतंत्र का लोप होगा? दरअसल यह क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खत्म करने की बड़ी राजनीतिक साजिश है। उन्हें जेल जाने के खौफ दिखाए जा रहे हैं, ईडी और सीबीआई को निरंकुश कर दिया गया है, अब पुलिस रात के अंधेरे में भी, किसी भी नेता के घर में, घुस सकती है। बहरहाल भाजपा तृणमूल के 20 सांसद तोड़ ले और द्रमुक के 22 सांसदों का समर्थन जुगाड़ ले, फिर भी लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत नहीं होगा। अभी शिवसेना (उद्धव) के भी सांसद तोड़ने की रणनीति पर विचार किया जा रहा है। ऐसे माहौल में सर्वोच्च अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए, क्योंकि संविधान ने उसे कई विशेष शक्तियां दी हैं। चुनाव आयोग तो पहले से ही 'भाजपा का भोंपू' बना है। यदि तृणमूल का मामला आयोग तक गया, तो नियति शिवसेना और एनसीपी वाली तय है।

देश की आवाज बने राहुल

शकील अख्तर

> "राहुल राजनीति करने लगे हैं। जरूरी था यह। लोगों में उत्साह इसी से बढ़ता है। इंडिया गठबंधन की बैठक में कहा तो सहयोगी विपक्षी दलों से था मगर लगा कि यह बात जनता तक जाना चाहिए तो अपना वहां दिया भाषण सार्वजनिक कर दिया। पहले जो अंग्रेजी में दिया था ओरिजनल वह और फ़िर उसी का हिन्दी रूपान्तरण"

राहुल राजनीति करने लगे हैं। जरूरी था यह। लोगों में उत्साह इसी से बढ़ता है। इंडिया गठबंधन की बैठक में कहा तो सहयोगी विपक्षी दलों से था मगर लगा कि यह बात जनता तक जाना चाहिए तो अपना वहां दिया भाषण सार्वजनिक कर दिया। पहले जो अंग्रेजी में दिया था ओरिजनल वह और फ़िर उसी का हिन्दी रूपान्तरण। उसमें उन्होंने जो सबसे राजनीतिक बात कही है वह यह कि 2029 में हम आ रहे हैं। जनता यही सुनना चाहती थी। विपक्ष के नेता तो इससे उत्साहित हुए ही। खुद कांग्रेस में एक जोश आ गया। छात्र सम्मेलनों का एक नया कार्यक्रम फौरन बन कर आ गया। इस समय परेशान तो सब हैं। मगर यह पहली बार है कि छात्र सामने आए हैं। खासतौर से सीबीएसई की परीक्षा में धांधली के बाद। बारहवीं की परीक्षा कभी विवादों में नहीं होती थी। चाहे केन्द्रीय बोर्ड की हो या राज्यों के बोर्डों की। 12 वीं के रिजल्ट पर ही बच्चों का भविष्य निर्भर करता है। यही बच्चे दसवीं के बाद से या कुछ बारहवीं के बाद भी कोटा में कोचिंग लेने जाते हैं। बहुत मशहूर जगह हो गई है। इसके गुण दोषों पर यहां बात नहीं करेंगे गोदी मीडिया ने इन पर गलत तरीके से सवाल उठाकर स्टूडेंट का बहुत नुकसान कर दिया है। सही बहस को जो हमेशा से होती रही है शिक्षक विरोधी बना दिया। यह स्टूडेंट के हित में नहीं है। खैर तो कांग्रेस ने कोटा में पहला छात्र सम्मेलन रखा है। सही जगह चुनी है। राहुल छात्रों से बात करने के लिए खुद यहां मौजूद होगें। सम्मेलन नीट की दोबारा हो रही परीक्षा से पहले हो रहा है। नीट की पहली बार हुई परीक्षा के पेपर लीक हो गए थे। इसमें भाग लेने वाले लगभग 28 लाख स्टूडेंट और उनके माता-पिता भारी निराशा में घिर गए थे। मगर स्टूडेंट ने आवाज उठाई कांग्रेस साथ में आई। और जो मोदी सरकार पहले मना कर रही थी कि पेपर लीक नहीं हुए उसे मानना पड़ा और अब 21 जून को दोबारा परीक्षा हो रही है। एक ही परीक्षा को दो दो बार देना पड़ेगा सोचिए कितना तनाव होगा स्टूडेंट पर। मगर 17 जून को राहुल उनसे मिलेंगे और हिम्मत देने की कोशिश करेंगे। छात्र सम्मेलनों का यह सिलसिला करीब एक महीने चलेगा और कई शहरों में होते हुए दिल्ली में 14 जुलाई को इसका समापन होगा। देश में यह एक नई समस्या पैदा कर दी गई है। बच्चों की परीक्षा ठीक से नहीं लेना।

उनका भविष्य यहीं से लड़खड़ना शुरू कर देता है। विद्यार्थियों के बाद आने वाली पीढ़ी युवाओं का हाल पहले से बुरा है। नौकरियां बंद कर दी गई हैं। बेरोजगारी का यह हाल है कि ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट प्रोफेशनल डिग्रियां लिए हुए युवाओं को वह काम करना पड़ रहे हैं जहां उनकी पढ़ाई की कोई जरूरत ही नहीं है। सेल्समेन, टू व्हीलर लेकर जमेटो स्वीगी का खाना पहुंचाने का काम, केब ड्राइवर, सुरक्षा गार्ड जैसे वह काम करना पड़ रहे हैं जहां ज्यादा शिक्षा का काम ही नहीं है। कम पढ़े लिखे, नहीं पढ़े-लिखे, ज्यादा पढ़े लिखे सब एक लाइन में खड़े कर दिए मोदी जी ने। इस दबी हुई समस्या को राहुल ने उठाना शुरू किया। उन्हीं के प्रयासों से गिग वर्कर (ऐसे ही छोटा मोटा काम करके गुजारा करने वाले) की हालत पर थोड़ी चर्चा शुरू हुई और समस्या की पहचान हुई। यह रोजगार नहीं है। मजबूरी है। देश की युवा शक्ति के साथ मजाक। कहते हैं भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। मगर वह युवा करता क्या है। निराशा में जीता हुआ। जवानी खत्म हो रही है। आज के छात्र उस स्थिति में जाने को तैयार नहीं हैं। इसलिए पहली बार वे नीट की परीक्षा में पेपर लीक और फिर सीबीएसई की परीक्षा में गड़बड़ी पर सामने आए। अब राहुल उनकी आवाज बन गए हैं। और राहुल यह बात समझकर अब ज्यादा प्रेक्टिकल एप्रोच से सामने आए हैं। उनका इंडिया गठबंधन की बैठक में दिया भाषण बहुत चर्चित हो रहा है। उसके आदर्शवादी पक्ष पर बहुत बातें हो रही हैं। अच्छी बात है। राहुल शुरू से आदर्शवादी रहे हैं। भाजपा के दुष्प्रचार का इतना लंबा मुकाबला उन्होंने अपने इन आदर्शवादी मूल्यों से ही किया। 2004 से लेकर आज तक। 22 साल हो गए हैं। इतने लंबे समय हजारों करोड़ रुपया खर्च करके किसी के खिलाफ भी ऐसा सुनियोजित अभियान चलाया जाता तो वह खत्म हो जाता। मगर अपने उसूलों पर टिके राहुल आज भी उतनी हिम्मत और अंग्रेजी में जिसे कहते हैं कूल रहकर (शांत और संयमित) उस झूठे प्रचार को गलत साबित कर रहे हैं। मगर जनता खासतौर से युवा और छात्र अब बर्दाश्त नहीं कर सकते। उनके सब्र की सीमाएं टूट रही हैं। देश में जो हो रहा है वह तो है ही। आर्थिक स्थिति पूरी तरह बर्बाद हो गई है। केवल गलत आंकड़ों के जरिए लोगों को बहकाया जा रहा है। तेल और गैस की कीमतें बढ़ने से छोटा कारोबार करने वाले सब तबाह हो गए हैं। घरेलू स्थिति में कुछ भी अच्छा नहीं है। और उधर विदेश से भी तगड़ी मार पड़ रही है। अमेरिका ने हमारे तीन जहाजी मार डाले और कह रहा है कि हुकुम की नाफरमानी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हत्याओं को जस्टिफाई कर रहा है। मगर प्रधानमंत्री मोदी खामोश हैं। मौन डॉ. मनमोहन तो बहुत कहा। मगर अब दुनिया देख रही है कि मोदी मौन हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बहुत कड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि कंप्रोमाइजड प्रधानमंत्री के राज में भारतीय होने का मतलब दुर्गति है। बड़ा नेता वही होता है जो सही समय पर जवाब देता है। याद है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। मगर वह कोई उदाहरण नहीं पाए। था ही नहीं। भारत ने सारी तरक्की 2014 से पहले की थी।

जंतर मंतर बूझने के मतान्तर

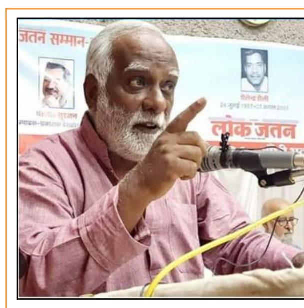

आलेख : बादल सरोज

राजधानी दिल्ली में जंतर मंतर पर 6 जून को जमा हुए लोग जितने भी रहे हों, मगर उन्हें लेकर शुरू हुयी बहस और विमर्श के पहलू और आयाम, आशंकाएं और अनुमान यक़ीनन उनकी संख्या के अनुपात में इतने हैं कि उन्हें एकजाई करने के लिए कठिन मेहनत की जरूरत है। किसी ने इसे जेन-जी कहा, किसी ने इसे जेन-जेड बताया, किसी ने इसे इतिहास के दोहराव की तीसरी अवस्था, प्रहसन मानकर छुट्टी पा ली। कुल मिलाकर यह कि जाकी रही भावना जैसी; जंतर मंतर देखी तिन तैसी !! इनमें से ज्यादातर ने सिर्फ रूप और आवरण को ही संज्ञान में लिया है। हर हलचल और घटना विकास को समझने के लिए जो सबसे अनिवार्य है वही काम, उसके कारण और सार का निदान करने की कोशिश तक नहीं की। बहस इस बात पर ज्यादा है कि ये जो भीड़ आई है -- इन्स्टाग्राम और सोशल मीडिया पर चली मुहिम ने जो जगार मचाई है, वह कहां तक जायेगी? जोर इस पर ज्यादा है कि कौन हैं ये लोग? कहां से आये हैं? जबकि कायदे से शुरुआत इस बात से होनी चाहिए थी कि मानव समाज की टकसाल से निकले एकदम ताजे और अभी तक गर्मागर्म खरे सिक्कों ने अभिव्यक्ति के अभी तक बचे माध्यमों पर चहककर, सड़क पर उतर कर जो आवाज उठाई है, उसके क्या और क्यों, क्या हैं? उन्होंने जो बोला उसका निहितार्थ क्या है? इस तरह से तनिक गहराई से जांच पड़ताल इसलिए और जरूरी हो जाती है, क्योंकि यह सब करने वाले वे युवा हैं, जिनके विवेक पर पिछले डेढ़-दो दशक से लगातार सवाल उठाये जाते रहे हैं। जिनकी कथित घटती और सिकुड़ती सामाजिक चेतना के मर्सिये लिखे जाते रहे हैं। जिन्हें कैरियरपरस्त और आभासीय मीडिया में मस्त, खुलेपन की कथित सारी बीमारियों से ग्रस्त और नफरती प्रचार से लस्त-पस्त मानकर, उनकी सामाजिक भूमिका को लगभग खारिज किया जाता रहा है। अभी हाल में नहीं रहे मशहूर शायर बशीर बद्र साहब के शेर ''कुछ तो मजबूरियां रही होंगी / यूं कोई बेवफा नहीं होता'' के हिसाब से उन विवशताओं को समझा जाना चाहिए था, जिनके चलते वे बिना किसी सांगठनिक ढांचे के इस अजीब से नाम वाली मुहिम के साथ खुद को इस कदर जुड़ा महसूस करने लगे कि सिर्फ आभासीय मीडिया के बुलावे पर, जून की तपती दोपहरी में सड़क पर आ पहुंचे। बात उस परीक्षा घोटाले पर होनी थी, जिसने एक बार फिर लाखों युवाओं का एक और बेशकीमती साल बर्बाद कर दिया। उनके अभिभावकों के सैकड़ों करोड़ पानी में बहा दिए। देश के रोजगार वंचित युवाओं को तिलचट्टा - कॉकरोच - बताने वाली उस अभद्र, अशिष्ट और अपमानजनक टिप्पणी पर बहस होनी चाहिए थी, जो किसी ऐरे-गैरे, शाखा शृगाल के मुंह से नहीं निकली थी, देश के सुप्रीम कोर्ट के सुप्रीम जज ने की थी और उसके लिए आज तक माफ़ी नहीं मांगी। बात शिक्षा प्रणाली की उस दुर्गति पर होनी चाहिए थी, जिसने उपलब्धता से लेकर विषयवस्तु तक, हर मामले में इसे अब तक की सबसे बुरी दशा में पहुंचा दिया है। पहचान अपराधियों की होनी चाहिए, मगर सुधीजनों की बिरादरी द्वारा शिनाख्त परेड फरियादियों की करवाई जा रही है। लिहाजा अच्छा होगा कि ऐसा करने वालों की चिंताओं - अगर वे हैं तो - पर थोड़ी निगाह डाल ली जाए। बिना किसी अतिरेक या अतिरंजना के उनके नजरिये को समझने की कोशिश कर ली जाए। 6 जून के जमावड़े पर एक तरह की प्रतिक्रिया उनकी है, जो अन्ना की मरीचिका से ऐसे भयभीत हैं कि अब यमुना से नर्मदा तक हर नदी के उभार में इन्हें कालियादह नाग ही दिखता है। ये लोग भले और सदाकांक्षी लोग हैं -- तानाशाही की फासिज्म की ओर तेज होती कदमचाल से कुछ घबराये और उसका विकल्प होने की जिन-जिन से उम्मीदें लगाई थीं, उनके शरणागत हो जाने से ठगे और सताए हुए लोग हैं। ''जिनको हाथ समझ पकड़ा था, वे केवल दस्ताने निकले'' की गत को हासिल होने से अपने आप से ही इतना खीजे हुए हैं कि दूध पीना तो छोड़ ही चुके हैं -- छाछ को भी फूंक-फूंक कर पीने तक का जोखिम नहीं उठाना चाहते हैं। हर चीज पर प्रश्न करना बुरी बात नहीं है, मगर किसी दुस्वप्न के चलते हर उम्मीद खारिज कर देना भी अच्छी बात नहीं है। 'डाउट एवरीथिंग' तो ठीक है, मगर इस आधार पर 'डिस्कार्ड एवरीथिंग' तक पहुंच जाना सही नहीं है। अगर जनाक्रोश की हर अभिव्यक्ति अन्ना के पोथन्ने में दर्ज उलटबासियों की तर्ज में ही पढ़ी और व्याख्यायित की जायेगी, तो रास्ते कम खुलेंगे, मनोगत बाधाएं ज्यादा खड़ी होंगी। एक दुश्चिंता उनकी है, जो फिलहाल तो अपने कर्मों से 'मलबे के मालिक' बन कर रह गए हैं, मगर भरम अभी भी शहर के दरोगा होने का पाले हुए हैं। अपने नेता के शाब्दिक बयानों को ही असहयोग आन्दोलन और दांडी मार्च माने बैठे ये बंधु-बांधव बिना रुमाल बिछाए ही सारी जगह को अपनी माने 'गर विपक्ष बर-रू-ए ज़मीं अस्त, हमीं अस्तो, हमीं अस्तो, हमीं अस्त' का मुंगेरीलाली मुगालता पाले बैठे हैं। मैदान में उतरने के दिखावे में भी अव्वल दर्जे की किफायत करते हुए भी उस पर अपने स्वामित्व का बोर्ड लगाए बैठे हैं। सड़कों पर उतरकर एक कारगर विपक्ष की भूमिका निबाहने की बजाय ज्यादा दम वाम के खिलाफ सतही बयानबाजियों और जनता के दवाब में बनी साझी जाजिम से बाकियों को सरकाने में लगाते हैं। इनकी आपत्ति दिलचस्प है और वह यह है कि हमारे अलावा लड़ने वाला कोई और हो ही नहीं सकता। इसलिए सरकार के खिलाफ बाकियों के संगठित-असंगठित, योजनाबद्ध हों या स्वतस्फूर्त, हर संघर्ष को ये अपने खिलाफ मानकर उसके इरादे पर संदेह करने लगते हैं। 6 जून के जमावड़े को लेकर सबसे ज्यादा मीन-मेख इन्हीं ने निकाली है। इसके आयोजकों के बारे में संघी आइटी सेल से भी ज्यादा खोद-खोदकर जिरह इन्हीं ने की है। लोकतंत्र में इस तरह के ब्राम्हणवाद की कोई जगह नहीं है -- खासतौर से तब जब संकट में खुद लोकतंत्र ही हो। रहा सवाल, आंदोलनकारियों के खोज-खोजकर लाये जा रहे कथित अतीत पर सवाल उठाने का, तो ऐसी कारगुजारियों के बारे में 'पहला पत्थर वह मारे जिसने कभी कोई गुनाह नहीं किया हो' की हिदायत, ईसा दो हजार साल पहले दे गए हैं। और इस कसौटी पर तो देश भर में आमतौर से सिर्फ वामपंथी राजनीति और खासतौर से सिर्फ सीपीएम ही है, जो खरी उतरती है। यह मानकर चलना कि हर आंदोलन शासक वर्गों की इच्छा से नियंत्रित और विकसित होता है, षडयंत्र ढूंढने की मानसिकता -- कांस्पिरेसी सिंड्रोम -- का परिचायक है। हां, शासकों में अपने खिलाफ होने वाले आंदोलनों और संघर्षों को अपने मुताबिक़ मोड़ने, ढालने की क्षमता पर्याप्त होती है। इन्हें कम करके नहीं आंका जाना चाहिए, किन्तु इसे बढ़ा-चढ़ा कर भी नहीं देखा जाना चाहिए। हर उभार को सिर्फ आशंकाओं की बिनाह पर खारिज नहीं किया जा सकता। बीजेपी और संघ इसका अन्ना जैसा सुथन्ना बनाकर अपनी गोटी तर करने में सफल होंगे कि नहीं? सीजेपी एक संगठित राजनीतिक पार्टी का आकार लेगी कि नहीं, यदि लेगी तो बाकी महत्वपूर्ण सवालों पर उसकी नीति और समझ ठीक-ठाक होगी कि नहीं? इनके लिए इन्तजार किया जाना चाहिए। निदा फाजली के शेर के अंदाज़ में कहें तो 'एक सितारा है चमकने दो उसे आंखों में / क्या जरूरी है उसे पार्टी बनाकर देखो।' इन अनपेक्षित प्रतिक्रियाओं के बीच जिन्हें युवाओं के गुस्से में सुलगते चेहरों से डर लगना चाहिए था, वे सच में डरे हुए हैं। इतने ज्यादा डरे हुए हैं कि देश-दुनिया की हाल की सारी चुनौतियों पर मौनव्रत धारण किये रहा आरएसएस सबसे पहले मैदान में कूद पड़ा है। आफत में फंसने पर वह जिसे अपना अखबार मानने से साफ़ मुकर जाता है, उस मुखपत्र ऑर्गनाइज़र में छपे लेखों में इस आंदोलन को, राष्ट्र-निर्माण के सकारात्मक प्रयासों को कमजोर करने और युवाओं में असंतोष की संस्कृति को बढ़ावा देने का एक प्रायोजित प्रयास और 'फ्रीबी-केंद्रित, वामपंथी झुकाव वाले राजनीतिक इकोसिस्टम' का हिस्सा बताया गया है। ऑर्गनाइज़र ने अपने संपादकीय के शीर्षक 'काकरोच सिंड्रोम : भारत-विरोधी तकनीकी संशयवाद का नया चेहरा' में ही अपनी मंशा साफ़ कर दी। इसमें आंदोलनकारी युवाओं के घोषित पांच लक्ष्यों, जिनमें चुनाव अधिकारियों के खिलाफ आतंकवाद-रोधी कानून लगाने और दल-बदल करने वाले नेताओं पर प्रतिबंध लगाना शामिल है, पर भी हल्ला बोला गया है। संघ संपादकीय ने इन्हें 'संस्थागत पतन का वह भयावह खाका' बताया है, 'जिसे युवा डिजिटल विद्रोह का रूप दिया गया है'। अडानी ग्रुप और रिलायंस समूहों के स्वामित्व वाले मीडिया घरानों के लाइसेंस रद्द करने की मांग को लेकर तो संघ को इतना गहरा दर्द हुआ कि वह बिलबिला ही गया है। उसे इसमें, स्टालिनवादी कम्युनिस्ट सेंसरशिप' और 'घरेलू पूंजी पर एक दुर्भावनापूर्ण, लक्षित हमला' तक दिखाई दे गया। संघ के इन देशी अभिभावकों की हितरक्षा करते-करते वह अमरीकी कार्पोरेट्स के गुणगान तक जा पहुंचा और लिखा कि 'पश्चिमी तकनीकी प्रभुत्व विशाल कॉरपोरेट कंपनियों पर आधारित है -- ठीक उसी तरह की कंपनियां, जिन्हें सीजेपी खत्म करना चाहती है। एक तरफ सेमीकंडक्टर क्रांति की मांग नहीं कर सकते और दूसरी ओर उन्हीं बड़े औद्योगिक समूहों को खत्म करने की बात नहीं कर सकते, जो ऐसी क्रांति को वित्तपोषित करने में सक्षम हैं।' संघ का निष्कर्ष स्पष्ट है -- इस आंदोलन का वास्तविक उद्देश्य उस पीढ़ी में 'भीख मांगने वाली व्यापक और अपरिहार्य मानसिकता' पैदा करना है, जो उनके मुताबिक दुनिया की सबसे संभावनाशील अर्थव्यवस्थाओं में से एक की उत्तराधिकारी है। कुल मिलाकर संघ ने सीजेपी को वास्तविक हताशा से बाहर निकालने का एक ज़रिया (प्रेशर वॉल्व) मानने के बजाय, उसे राष्ट्रीय आत्मविश्वास पर किया गया एक सुनियोजित हमला बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने तो सीधे धमकी देते हुए कह दिया कि 'डिजिटल माध्यम का उपयोग देश की युवा क्रांति को नकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए कभी नहीं होने दिया जाएगा। ऐसा करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' नबीन यह बात रांची में ठीक उस समय कह रहे थे, जब जंतर-मंतर पर हजारों युवाओं की भीड़ अपने गुस्से को स्वर दे रही थी। डोनाल्ड ट्रम्प और बेंजामिन नेतन्याहू से सीख कर आने वाली पार्टी के प्रमुख फरमा रहे थे कि, 'विदेश में बैठे कुछ लोग सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा देंगे। भारत के युवा किसानों के साथ गांव के चौराहों पर बैठते हैं, गांवों की गलियों में रहते हैं, कोचिंग संस्थानों में पढ़ते हैं और कॉलेजों के परिसरों में रहते हैं। भारत के युवा कुछ लोगों के हाथों की कठपुतली बनकर आगे नहीं बढ़ेंगे।' मतलब साफ़ है कि भाजपा की निगाह में नीट की परीक्षा या शिक्षा घोटाले पर बोलना, नकारात्मकता है!! 6 जून को और उससे पहले जो उभरा है, वह आक्रोश का एक गुबार है। विक्षोभ और रोष हमेशा एक-सी भाषा में बयान नहीं होता, एक-सी लिपि में नहीं लिखा जाता। एक जैसे पैटर्न में नहीं आता। हर बार इसकी वर्तनी अलग और अक्सर नयी होती है। इन सबको उसके कालखंड से अलग-थलग करके देखना सही तरीके से देखना नहीं है। जिसके बाद यह फूटता है, उस घटना विशेष तक सीमित रखकर समझना भी पूरी तरह से समझना नहीं है। संचित संत्रास और पीड़ा का जब विस्फोट होता है, तो जरूरी नहीं कि वह निदान के साथ व्यवस्थित समाधान भी सूत्रबद्ध करके लाये। इतिहास में ऐसा अनेक बार हुआ है, जब असली कारण कुछ और रहे, उनके सामने आने के तात्कालिक कारण कुछ और ही रहे। मौजूदा घटना विकास के साथ तुलना के लिए नहीं, इसे समझने के संदर्भ के रूप में इनमें कुछ पर निगाह डाली जा सकती है। मेरठ की छावनी में 1857 की 10 मई की बगावत, 1919 की 13 अप्रैल को अमृतसर के जलियांवाला बाग़ की जमावट, 18 फरवरी 1946 में बम्बई - अब मुंबई - से कराची तक फैला भारत के नौ-सैनिकों का विद्रोह, 18 मार्च 1974 को बिहार के छात्रों का युगांतरकारी आन्दोलन, उन तात्कालिक कारणों तक ही सीमित नहीं थे -- कारतूस में सूअर और गाय की चर्बी, किचलू और सप्रू की गिरफ्तारी, बदबू मारता कीड़ा पड़ा खाना या हॉस्टल की मैस में खाने की दरें बढाया जाना, आदि। इनके पीछे ग्रामीण भारत के तीखे और असहनीय शोषण, गुलामी की घुटन और बेरोजगारी सहित भविष्य के प्रति आशंका से उपजी बेचैनी थी। महत्वपूर्ण संचित क्षोभ था, नारे और विकल्प उसके बाद की प्रक्रियाओं में उभरे थे। सामाजिक हलचल, विशेषकर स्वतस्फूर्त उथल-पुथलें इसी तरह उभरती हैं। इस तरह कई बार विकसित होते हुए वे असली कारणों को भी चीन्हते हुए, उनके निराकरण की मांगों और विकल्प के मुद्दे तक पहुंच जाती हैं। पर कई बार नहीं भी पहुंचती हैं। कई बार यह धूर्तों के हत्थे भी चढ़ जाती हैं। मगर सिर्फ इस बिनाह पर कि उसके पास पहले से ही सब कुछ व्यवस्थित और स्पष्ट नहीं है, उसे खारिज कर देना, जिस जन भावना का यह हलचल परिणाम है, उसका ही तिरस्कार करने जैसा है। जैसे 17 दिसंबर 2010 को सरकार और पुलिस के भ्रष्टाचार से आजिज आकर ट्यूनीशिया में युवा फल विक्रेता मोहम्मद बुआजीजी के खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह कर लेने के बाद सिर्फ उसके देश में ही नहीं, कई अरब देशों में उबाल आ गया था। ''अरब स्प्रिंग'' के नाम से प्रसिद्ध हुई इस लहर ने मिस्र, ट्यूनीशिया, सीरिया, यमन और बहरीन की तानाशाह हुकूमतों को एक बार तो घुटनों पर भी ला दिया। थोड़ा-बहुत लोकतंत्र का विस्तार हुआ भी, हालांकि अंततः शासक वर्ग ने उसे हजम कर लिया। 6 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्या हुआ, क्या नहीं, इसका हिसाब बाद में भी किया जा सकता है। मगर उस दिन जमा हुई युवाओं की भीड़ जब देश के युवाओं, लोकतंत्र और संविधान की हिमायत में निडरता और बेबाकी से अपनी बात रख रही थी, तब और कुछ हो रहा था कि नहीं, रघुवीर सहाय के शब्दों में, ''टूटे न टूटे तिलिस्म सत्ता का, मेरे भीतर का कायर तो टूटेगा'' -- उनका डर टूट रहा था। शोषितों का डर जब टूटता है, तो वह हवा में विलीन होकर गायब नहीं होता है, शोषकों और उत्पीड़कों के मन में बैठ जाता है। हालांकि जो हुआ है, वह इससे कहीं अधिक हुआ है, मगर यदि इतना भी हुआ है, तो भी कोई कम बात नहीं है।

भारत का अपमान करता अमेरिका और मौन मोदी

अमेरिका भारत के लिए किस कदर दुर्भावना रखता है, इसका ताजा उदाहरण ओमान की खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की मौत के तौर पर सामने आया है। 9 जून को यहां व्यावसायिक जहाज सेटबेलो पर अमेरिकी नौसेना ने हमला किया था। हमले की पुष्टि खुद अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने की थी। दरअसल ईरान को झुकाने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी की है और यहां से किसी भी जहाज को वह तभी गुजरने देगा, जब उसकी अनुमति हो। यह सीधे-सीधे दादागिरी है, अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नैतिकता के खिलाफहै, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप का शासन ऐसा ही है जो अपने अलावा किसी और के नियम नहीं मानता है। अपने इसी अहंकार भरे रवैये में अमेरिका ने सेटबेलो जहाज पर हमला किया और इसमें तीन भारतीयों की मौत हो गई, तो उसने इस पर अफ्सोस तक जाहिर नहीं किया। जबकि ट्रंप बार-बार नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताते हैं और मोदी भी उनसे अपनी नजदीकियां जाहिर करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। लेकिन ट्रंप की यह दोस्ती भारत के लिए कितनी भारी पड़ रही है, इसके उदाहरण लगातार सामने आ रहे हैं। पहले अवैध अप्रवासी कहकर कई भारतीयों को बेड़ियों में जकड़कर भारत भेजा गया, मानो वे सब कुख्यात अपराधी हों। उसके बाद भारत पर टैरिफ लगाया, रूस से तेल खरीद बंद करवाई। ट्रंप ने मोदी के लिए यहां तक कह दिया कि वे उनका राजनैतिक करियर बर्बाद कर सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर बीच में ही बंद करवाने का दावा भी ट्रंप ने कई बार इस तरह किया मानो मोदी सरकार कोई भी फैसला ट्रंप से पूछे बिना नहीं करती है। इतना अपमान काफी नहीं था, जो अब तीन भारतीयों की मौत पर जिस तरह भारत को ही अमेरिका ने उल्टी घुड़की दी है और यह देखकर घोर अफ्सोस होता है कि इस सबके बावजूद मोदी सरकार इतना साहस नहीं दिखा रही कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर को तलब करे और अपनी आपत्ति जाहिर करे। पाठकों को याद होगा कि 2013 में जब अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोब्रागढ़े पर कानूनी कार्रवाई की गई थी तो भारत की अस्मिता का सवाल उठाते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह ने दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की सुरक्षा कम करने जैसे सख्त कदम उठाए थे। जिन्हें भाजपा ने बार-बार मौन मोहन कहकर मजाक उड़ाया उन्होंने दर्जनों बार भारत को मजबूत दिखाने वाले ऐसे फैसले लिए और अब अपनी ही ताकत का ढोल पीटने वाले नरेन्द्र मोदी जरूरत होने पर भी सख्ती नहीं दिखा पाते हैं। तीन भारतीयों की मौत पर विपक्ष ने सवाल उठाए तो सरकार ने अफ्सोस तो जाहिर किया लेकिन इसमें अमेरिका के लिए आलोचना का कोई शब्द नहीं था, इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से इस घटना पर शकड़ा विरोधश् दर्ज कराया और कहा कि इस तरह का शघातक हमला उचित नहींश् है। उचित न होने की बात से ही जाहिर होता है कि विदेश मंत्री जिस कड़ाई की बात कर रहे हैं, वो असल में कूटनीतिक चालाकी है। कड़ाई तो तब होती जब भारत सरकार अमेरिकी सरकार से कहती कि आपने हमारे नागरिकों की जान ली तो अब आपको भी अंजाम भुगतना पड़ेगा। लेकिन मोदी सरकार केवल बतकही से काम चलाना चाहती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एस जयशंकर और रुबियो के बीच बातचीत का जो ब्योरा जारी किया है, उसमें रुबियो ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल की अवैध ढुलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमेरिका की भाषा और भारत की भाषा देखकर ही समझा जा सकता है कि दोनों के रवैये में कितना फर्क है। लेकिन इस फर्क की चिंता किए बिना मोदी फिर छह दिनों की विदेश यात्रा पर निकल गए हैं। फ्रांस में देशी-विदेशी कलाकारों द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुति का आनंद लेते और ताली बजाते मोदीजी के कई वीडियो सोशल मीडिया पर आए हैं। ऐसे वीडियो प्रसारित कर सरकार शायद यही चाहती है कि जनता इस बात पर गौरव का अनुभव करे कि भारतीय संस्कृति की महिमा दुनिया में गूंज रही है और प्रधानमंत्री मोदी इस का गवाह बन रहे हैं। वैसे जनता को अब सरकारी विज्ञप्तियों का इंतजार भी नहीं रहता। वह जानती है कि नरेन्द्र मोदी जब भी विदेश जाएंगे, तो बिना सहारे धड़ाधड़ विमान की सीढ़ियां चढ़ते उनके वीडियो आएंगे, फिर प्लेन के भीतर कुछ पेपर वगैरह पढ़ते हुए तस्वीरें आएंगी, ताकि पता चले कि प्रधानमंत्री तो काम करना खत्म ही नहीं करते। विदेश में एयरपोर्ट से लेकर जिस भी सभागार में मोदी पहुंचेंगे, वहां भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे और मोदी-मोदी के नारे लगाएंगे, विदेशी धरती पर अपने देवता समान नेता को देखकर लहालोट होंगे। फिर भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर, आरती उतारकर मोदी का स्वागत होगा और फिर नृत्य-संगीत की मनमोहक प्रस्तुति। यही सब साल दर साल, महीने दर महीने होता आ रहा है। बस यही समझ नहीं आता कि जब भारतीय संस्कृति को, यहां की धरती को प्रवासी भारतीय इतना ही याद करते हैं, तो विदेश जाकर बसे क्यों हैं और प्रधानमंत्री मोदी को भी कत्थक, भरतनाट्यम हो देखना हो, देश में ही देख लें। कम से कम जनता के टैक्स के करोड़ों रूपए बच जाएंगे। और अगर प्रधानमंत्री विदेश जाते ही हैं, जैसे अभी गए हुए हैं, तो कुछ ऐसे काम तो कर के आएं जिससे भारतीयों की इज्जत और रूतबा बढ़े। इस समय तो लगातार देश का अपमान ही अमेरिका कर रहा है, और मोदी चुपचाप इस अपमान को बर्दाश्त कर रहे हैं। जबकि विपक्ष ने उन्हें पहले भी कहा है कि आप विरोध करिए हम आपका साथ देंगे। न जाने किस डर से मोदी अमेरिका के खिलाफ कुछ बोलना ही नहीं चाहते हैं। वैसे मोदी अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर की नसीहत को याद कर लें कि अमेरिका का दुश्मन होना खतरनाक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर शांति नगर में हुआ भव्य वृक्षारोपण

⇨'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शांति नगर स्थित एयरपोर्ट के निकट सरकारी परती भूमि पर बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर हरित वातावरण का निर्माण करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर के पूर्व महामंत्री एवं वरिष्ठ नेता पुष्कर शुक्ला उपस्थित रहे। उनके साथ मंडल अध्यक्ष के.के. श्रीवास्तव तथा शांति नगर विकास समिति के अध्यक्ष उदयवीर सिंह ने वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शांति नगर के निवासी उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्रदूषण को नियंत्रित करने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से केवल पौधे लगाने ही नहीं बल्कि उनकी नियमित देखभाल करने का भी आग्रह किया। इस दौरान शांति नगर विकास समिति के महामंत्री नीरज श्रीवास्तव, राजेश सिंह राकेश चंद्र तिवारी महामंत्री राजेंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद बिल्लू भैया, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष राम गुप्ता, सोशल मीडिया कार्यकर्ता जितेंद्र जीतू, श्याम कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों को सुरक्षित रखने और उनकी देखभाल करने का सामूहिक संकल्प भी लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात क्षेत्र के मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। उपस्थित लोगों ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। इसके बाद सामूहिक रूप से भगवान से प्रार्थना की गई कि देश और प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे तथा जनकल्याण की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें। कार्यक्रम के अंत में मंडल मंत्री राकेश चंद्र तिवारी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया गया और पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

पुरानी रंजिश ने लिया खूनी खेल, फैजल गंभीर घायल

मिर्जापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र अंतर्गत गाजिया दूधनाथ तिराहे पर पुरानी दुश्मनी ने हिंसक रूप ले लिया। बुधवार को स्थानीय युवक फैजल पर दबंगों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने फैजल को लहूलुहान कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसकी हालत बिगड़ने पर मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, यह हमला लंबे समय से चली आ रही रंजिश का नतीजा है। आरोपियों ने पहले से तय प्लान के तहत फैजल को निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया और इलाके में तनाव व्याप्त हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। विंध्याचल थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने और जबरन धर्म परिवर्तन का आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन के थाना मड़ियांव पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने एक नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और उस पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने के मामले में वांछित चल रहे शातिर अभियुक्त मोहम्मद कासिफ खान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पेशे से मजदूर का काम करता है। इस मामले में पीड़ित पक्ष ने 11 जून 2026 को मड़ियांव थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप था कि करीब 15 वर्षीय नाबालिग बेटी को प्रेम जाल में फंसाकर भगाया गया और उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद 14 जून 2026 को मुखबिर की सटीक सूचना पर मड़ियांव पुलिस टीम ने नौबस्ता चौकी क्षेत्र के रामलीला मैदान के पीछे से घेराबंदी करके आरोपी कासिफ खान को गिरफ्तार कर लिया। राहत की बात यह है कि पुलिस ने अपहृत नाबालिग किशोरी को पहले ही सकुशल बरामद कर लिया था। प्रभारी निरीक्षक श्री शिवानन्द मिश्र के नेतृत्व में उप-निरीक्षक दीपक कुमार पाण्डेय और कांस्टेबल रोहित कुमार की टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस अब आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रही है और उसके आपराधिक इतिहास की भी पड़ताल की जा रही है।

लखनऊ स्टेट आर्म रेस्लिंग चैंपियन आर्यन चैंपियंस ऑफ चैंपियन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ द्य बरेली में आयोजित दो दिवसीय उत्तर प्रदेश राज्य आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गई। लखनऊ टीम ने प्रथम, कानपुर टीम ने द्वितीय और मुरादाबाद टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया। लखनऊ के आर्यन यादव ने चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब जीता। उत्तर प्रदेश आर्म रेस्लिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया बरेली स्थित माधवराव सिंधिया पब्लिक स्कूल में उत्तर प्रदेश राज्य आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों के लगभग 550 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों ने लेफ्ट और राइट हैंड के दोनों वर्गों में हाथ आजमाया। उन्होंने कहा कि लखनऊ खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा, जिसका सारा श्रेय लखनऊ के युवा कोच सौरभ कुमार को जाता है। जिन्होंने प्रतियोगिता से पूर्व पिछले दो माह से सभी खिलाड़ियों से जमकर अभ्यास कराया। उत्तर प्रदेश आर्म रेस्लिंग एसोसिएशन के महासचिव शावेज़ अली के अनुसार प्रतियोगिता में स्वर्ण एवं रजत पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन अक्टूबर 2026 में कश्मीर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के दौरान एसोसिएशन के प्रदेश कोषाध्यक्ष अकमल खान, बरेली एसोसिएशन के अध्यक्ष सौरभ कुमार अग्रवाल, उपनियंत्रक बरेली राकेश कुमार मिश्रा, लखनऊ कोच सौरभ कुमार, आकाश तोमर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहें। प्रतियोगिता में लखनऊ से राजा शर्मा, केतन कुमार, अरशे आज़म, गगन चौहान, रुद्र देव, नीरज मौर्य, अभिषेक प्रजापति, मोहम्मद शाहरुख, सुजल साहू, विष्णु प्रताप सिंह, आर्यन साहू, रुद्राक्ष मिश्रा, अयान खान, आयुष कुमार, आलोक, समद आलम, नितिश यादव, आर्यन यादव, देवांश मिश्रा, जय सिंह , हिमांशु ठाकुर, प्रिंस, अजीत, अली ज़ैदी, ध्रुव देव, अमृत महारा, देव सिंह, विश्व विक्रम, अली इमाम, अनमोल गौतम, आदर्श प्रताप सिंह, हिमांशु पांडेय, श्रेष्ठ केसरवानी, फहद वारसी, आदि शर्मा ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

भूमि विवाद में युवक पर हमला, पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

महराजगंज, रायबरेली। तहसील क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला गांव में भूमि विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार गांव में चल रहे भूमि विवाद के दौरान कुछ लोगों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमले में उसके पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी तथा असलहा दिखाकर भय का माहौल बनाने का प्रयास किया। जानकारी के मुताबिक विवाद गाटा संख्या 2381 एवं 2300 से संबंधित भूमि को लेकर बताया जा रहा है। यह मामला वर्तमान में एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ित का कहना है कि विपक्षी पक्ष द्वारा विवादित भूमि के साथ-साथ बंजर भूमि पर भी निर्माण कराया गया है, जिसकी पैमाइश पूर्व में राजस्व विभाग द्वारा कराई जा चुकी है। पीड़ित ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि विपक्षी पक्ष दबंग प्रवृत्ति का है, जिसके कारण उसका परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन यापन करने को मजबूर है। उसने पुलिस प्रशासन से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में हुई इस घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है, जबकि पीड़ित परिवार न्याय और सुरक्षा की मांग को लेकर प्रशासन की ओर उम्मीद भरी निगाहों से देख रहा है।

अखिलेश यादव दिखाएं बड़ा दिल, कांग्रेस को मिले 50 प्रतिशत हिस्सेदारी- चौधरी सुनील सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि वर्ष 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आपसी सौहार्द की रक्षा का निर्णायक संघर्ष होगा। नई दिल्ली स्थित संविधान क्लब में इंडिया गठबंधन की बैठक में लोकदल की भी हिस्सेदारी और अपनी उपस्थिति को एक उपलब्धि के तौर पर देखते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को बड़ा दिल दिखाते हुए कांग्रेस पार्टी को 50 प्रतिशत हिस्सेदारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है और आगामी चुनाव की रणनीति उसके नेतृत्व में तय की जाएगी। ऐसे में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए सभी दलों को निजी हितों से ऊपर उठकर भाजपा को हराने के साझा लक्ष्य पर काम करना चाहिए। लोकदल की भूमिका पर बोलते हुए चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी

इंडिया गठबंधन का मजबूत हिस्सा है और आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी हिस्सेदारी के अनुरूप उम्मीदवार भी उतारेगी। उन्होंने भाजपा पर युवाओं, किसानों, लोकतंत्र और संविधान के खिलाफ काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश और देशहित में भाजपा को सत्ता से बाहर करना जरूरी है। ईवीएम के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ईवीएम से जुड़ी घटनाओं ने कई सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप था कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान कानूनी एमएसपी की मांग कर रहे हैं, युवा रोजगार चाहते हैं और आम जनता महंगाई से परेशान है, लेकिन सरकार जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी जो न सिर्फ युवा विरोधी, किसान विरोधी नहीं बल्कि लोकतंत्र और संविधान विरोधी भी है जो निष्चित तोर पर देषहित में नहीं है। लोकदल भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेंकने के लिए इंडिया गठबंधन के साथ लड़ेगी। एक तरफ किसान अपनी फसलों पर कानूनी तौर पर एमएसपी की मांग कर रहा है, युवा रोजगार की मांग कर रहा है और इन सब के बीच देष की जनता दिन ब दिन बढ़ती मंहगाई से त्राहि-त्राहि कर रही है ऐसे में जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटकाने के लिए भाजपा तरह-तरह के षडयंत्र रच रही है। चौधरी सुनील सिंह ने इंडिया गठबंधन के सभी घटक दलों से एकजुटता का परिचय देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा को हराने के लिए साझा रणनीति और त्याग की भावना आवश्यक है। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी के नेतृत्व को मजबूत करने की वकालत करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संविधान, किसानों और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए विपक्षी दलों को अपने निजी हितों से ऊपर उठकर सामूहिक लड़ाई लड़नी होगी।

नारायणपुर में ग्रामीण क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ

➲ मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता से शंकर सिंह संकरी ने फीता काटकर खिलाड़ियों के बीच टाक्स कराकर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा। नारायणपुर क्षेत्र के नारायणपुर गांव में नीरज सिंह एवं सीरज सिंह द्वारा आयोजित ग्रामीण क्रिकेट लीग का भव्य शुभारंभ हुआ । उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वरिष्ठ भजपा नेता शिव शंकर सिँह शंकरी ने फीता काटकर तथा खिलाड़ियों के बीच टॉस कराकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया । कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों की उपस्थिति रही । लीग का उद्घाटन मैच भटगाँव और गढ़ी चिनौटी की टीमों के मध्य खेला गया। मैच शुरू होने से पूर्व दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय कराया गया। टॉस में गढ़ी चिनौटी की टीम ने बाजी मारते हुए पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। मैदान पर खिलाड़ियों और दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता शिव शंकर सिंह संकरी ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं की प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम है। खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होते हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशे और अन्य निरर्थक गतिविधियों से दूर रखकर सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्रिकेट लीग जैसी प्रतियोगिताएं गांवों में छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का कार्य करती हैं। भविष्य में यही खिलाड़ी क्षेत्र और जनपद का नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर बोधराम सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नवाबगंज रवि सिंह, नरेंद्र पाल सिंह फौजी, प्रधान मनोहर लाल मौर्य, गंगा राम भारती, पत्रकार मोनू सिंह, दीप सिंह, उमेश सिंह, अमितेश सिंह, अभय सिंह तथा अखंड सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों एवं खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की गई कि यह ग्रामीण क्रिकेट लीग प्रतिवर्ष आयोजित होकर नई प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करेगी और क्षेत्र के खेल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पंचकोशी परिक्रमा पर निकले अजय राय, बाबा विश्वनाथ से प्रदेश की खुशहाली का मांगा आशीर्वाद

सनातन परंपरा के अनुसार पूरी की पावन यात्रा, कहा- काशी की सेवा ही मेरा परम धर्म

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

वाराणसी/लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने सोमवार को बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी में सनातन परंपरा के अनुसार पावन पंचकोशी परिक्रमा का संकल्प लेकर यात्रा प्रारंभ की। उन्होंने कहा कि काशी की इस पावन माटी और यहां की जनता की सेवा ही उनका परम धर्म है तथा धर्म और सेवा का यह संकल्प निरंतर जारी रहेगा।

यात्रा के शुभारंभ से पूर्व अजय राय ने मैदागीन स्थित बड़े गणेश मंदिर में दर्शन-पूजन किया तथा काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव के चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि एवं सुरक्षा की कामना की। इसके बाद उन्होंने मणिकर्णिका घाट स्थित मणिकर्णिकेश्वर महादेव, माता मणिकर्णिका तथा पवित्र मणिकर्णिका कुंड का पूजन-अर्चन कर पंचकोशी यात्रा का शुभारंभ किया। मणिकर्णिका घाट से शुरू हुई यात्रा का पहला पड़ाव स्कंदवास और कर्दमेश्वर महादेव मंदिर रहा, जहां उन्होंने जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद राजातालाब स्थित मां भीमचण्डी धाम में दर्शन-पूजन किया। पंचकोशी परिक्रमा के तीसरे पड़ाव पर अजय राय रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित इस प्राचीन शिवलिंग के दर्शन से मन आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इसके बाद यात्रा शिवपुर पहुंची, जहां कपिलेश्वर महादेव और पांचों पांडवों के मंदिर में पूजा-अर्चना की गई। अजय राय ने कहा कि यात्रा के दौरान क्षेत्र के बुजुर्गों, युवाओं और संत-महात्माओं से मिल रहा स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। पंचकोशी परिक्रमा का समापन कपिलधारा में कपिलेश्वर महादेव के दर्शन-पूजन के साथ हुआ। उन्होंने कहा कि यह यात्रा कठिन जरूर रही, लेकिन आध्यात्मिक रूप से अत्यंत समृद्ध और प्रेरणादायी रही। महादेव की कृपा से धर्म, संस्कृति और जनसेवा का यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

राम मंदिर ट्रस्ट पर संजय सिंह का बड़ा हमला- 2.92 करोड़ की नजूल जमीन 24 करोड़ में खरीदने का आरोप

दानपात्र चोरी, चढ़ावे में भ्रष्टाचार और जमीन खरीद में घोटाले का दावा- ट्रस्ट भंग कर निष्पक्ष जांच एवं गिरफ्तारी की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ/वाराणसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद एवं उत्तर

प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के नाम पर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी अभिलेखों में 2 करोड़ 92 लाख रुपये मूल्य की दर्ज नजूल भूमि को 24 करोड़ रुपये में खरीदकर चंदे की रकम का दुरुपयोग किया गया। नजूल भूमि सौदे पर उठाए सवाल संजय सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि अयोध्या की गाटा संख्या 247 की 0.645 हेक्टेयर भूमि को लेकर 22 जुलाई 2024 को जारी उप जिलाधिकारी के दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि यह नजूल भूमि है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी भूमि का फ्रीहोल्ड किए बिना क्रय-विक्रय नहीं हो सकता, फिर भी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इसे 24 करोड़ रुपये में खरीदा। उनके अनुसार सरकारी रिकॉर्ड में इस भूमि का मूल्य मात्र 2.92 करोड़ रुपये था। दानपात्र और चढ़ावे में भी करोड़ों की गड़बड़ी आप सांसद ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दानपात्र और चढ़ावे में 200 करोड़ रुपये से अधिक की अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि 50 से अधिक कर्मचारी कथित रूप से इस प्रकरण में शामिल पाए गए, जबकि कुंभ के दौरान प्रतिदिन लाखों रुपये की चोरी की शिकायतें भी सामने आई थीं। उन्होंने दावा किया कि पहले भी कई संतों, मंदिर आंदोलन से जुड़े नेताओं और भाजपा के पूर्व पदाधिकारियों ने चढ़ावे में गड़बड़ी और चोरी के आरोप लगाए थे, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ट्रस्ट भंग कर जांच कराने की मांग संजय सिंह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गठित इस ट्रस्ट की निगरानी में केंद्र सरकार की भूमिका है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी जवाब देना चाहिए कि कथित भ्रष्टाचार के मामलों में जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों रहीं। उन्होंने मांग की कि आरोपों से घिरे वर्तमान ट्रस्ट को तत्काल भंग किया जाए, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मां ऋद्धिदा देवी शक्तिपीठ का 35वां स्थापना दिवस पर भव्य भंडारे का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बंथरा । राजधानी लखनऊ के सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में बंथरा थाना के अंतर्गत खांडे देव स्थित मां ऋद्धिदा देवी शक्तिपीठ का 35वां स्थापना दिवस पर बड़े हर्ष उल्लास के साथ कायस्थ परिवार द्वारा बड़े विधि विधान से पूजा अर्चना की गई , उक्त पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन किया गया । यह आयोजन प्रेरणा स्रोत स्व. कृष्णकान्त श्रीवास्तव और स्व. ऋषिकान्त श्रीवास्तव द्वारा प्रेरित लक्ष्मीकान्त श्रीवास्तव एडवोकेट, पूर्व प्रधान खाण्डे देव पूर्व अध्यक्ष सहकारी संघ बंथरा के नेतृत्व में किया गया। प्रत्येक वर्ष की भाती इस मौके पर गांव के समस्त कायस्थ परिवार रूपेश चंद्रा, आशीष चंद्रा, भोला नाथ श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, पारस श्रीवास्तव, पार्थ श्रीवास्तव सहित गाँव वासी मिलकर मां देवी की पूजा अर्चना करते है और भव्य विशाल भंडारे का प्रसाद वितरण करते है । गांववासी भी इस अवसर पर स्थापना दिवस पर आयोजित हवन, माता की चौकी और अमृतमय भण्डारे में सम्मिलित होकर माँ का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। इस आयोजन में आए हुए विशिष्ठ भक्तगणों को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया, सभी ने प्रेम पूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में सहयोगी प्रतिष्ठान लक्ष्मी बजाज बंथरा बाजार मोनू श्रीवास्तव सहित कायस्थ परिवार शामिल रहें। इस भंडारे में कई गणमान्य एवं विशिष्ठ अतिथि संजय सिंह चौहान पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा एवं संरक्षक राजधानी प्रेस क्लब, डॉ राजेश्वर सिंह विधायक टीम प्रतिनिधि के.एन. सिंह, रमाशंकर त्रिपाठी, मतोले सिंह , दादूपुर प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह चौहान, कृष्ण प्रताप शुक्ला, हरिशंकर सिंह चौहान, राकेश कुमार सिंह बबलू, प्रमोद सिंह, लवी सिंह, बंथरा व्यापार मंडल अध्यक्ष अमित सिंह चौहान सहित स्थानीय आसपास के गांव प्रधान, स्थानीय पत्रकार बंधु उपस्थित रहें।

पीएम आवास योजना में बड़ा खेल- 427 लोगों ने लिए दो-दो मकान, गरीबों के हक पर डाका- वंषराज

योगी सरकार पर साधा निशाना, कहा- तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार का संगठित नेटवर्क

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना में उत्तर प्रदेश के 427 लाभार्थियों द्वारा दो-दो आवास हासिल करने के खुलासे पर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार को घेरा है। पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने इसे गरीबों के अधिकारों की खुली लूट बताते हुए कहा कि यह मामला सुशासन और पारदर्शिता के सरकारी दावों की पोल खोलता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की जांच ने साबित कर दिया है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार का संगठित नेटवर्क सक्रिय है। दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराना था, लेकिन उत्तर प्रदेश में योजना फर्जीवाड़े की भेंट चढ़ गई। जांच में सामने आया कि 427 लोगों ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और (शहरी) दोनों का लाभ लेकर दो-दो मकान प्राप्त कर लिए। ललितपुर, बांदा, सीतापुर और प्रतापगढ़ जैसे जिलों में बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आना दर्शाता है कि यह कोई सामान्य त्रुटि नहीं बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब फर्जी आवेदन स्वीकृत हो रहे थे तब विभागीय सत्यापन, डिजिटल मॉनिटरिंग और जांच तंत्र क्या कर रहे थे। आप प्रवक्ता ने कहा कि पूरे देश में दोहरे आवास लाभ के 8047 मामलों में उत्तर प्रदेश का सातवें स्थान पर होना सरकार के भ्रष्टाचार-मुक्त शासन के दावे पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने मांग की कि पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय और समयबद्ध जांच कराई जाए तथा केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के बजाय जिम्मेदार अधिकारियों और संरक्षण देने वाले प्रभावशाली लोगों के खिलाफ भी कठोर कदम उठाए जाएं, ताकि गरीबों के हक पर भविष्य में कोई डाका न डाल सके।

सर्वाधिक रक्तदान कराने वाली विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट विश्व रक्तदाता दिवस पर सम्मानित

● 8 वर्षों से रक्तदान सेवा में अग्रणी संस्था, वर्ष 2026 के मात्र 5 महीनों में 300 से अधिक रक्तदान एवं एसडीपी दान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर सर सुंदरलाल चिकित्सालय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के रक्त केंद्र द्वारा आयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में जनपद मिर्जापुर की अग्रणी सामाजिक संस्था विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट को रक्तदान एवं रक्तदान जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से अध्यक्ष कृष्णानंद हैहयवंशी एवं सचिव अभिषेक साहू उपस्थित रहे तथा संस्था की ओर से सम्मान ग्रहण किया। कार्यक्रम में संस्था द्वारा वर्षों से किए जा रहे मानव सेवा के कार्यों, आपातकालीन परिस्थितियों में जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने तथा रक्तदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के प्रयासों की विशेष सराहना की गई। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष कृष्णानंद हैहयवंशी ने कहा कि यह सम्मान विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के प्रत्येक रक्तदाता, स्वयंसेवक एवं सहयोगी के समर्पण का सम्मान है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। संस्था का प्रयास है कि कोई भी मरीज केवल रक्त की कमी के कारण उपचार से वंचित न रहे। वहीं संस्था के सचिव अभिषेक साहू ने कहा कि विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट पिछले 8 वर्षों से जनपद मिर्जापुर में रक्तदान सेवा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रहा है। संस्था ने कोरोना महामारी, डेंगू जैसी आपात परिस्थितियों और अन्य विपरीत समय में भी जरूरतमंद मरीजों तक रक्त एवं एसडीपी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल रक्तदान कराना नहीं, बल्कि समाज में स्वैच्छिक रक्तदान की मजबूत संस्कृति विकसित करना है। विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट आज जनपद मिर्जापुर में सर्वाधिक रक्तदान कराने वाली संस्था के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। संस्था के माध्यम से हजारों जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त एवं प्लेटलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। संस्था के सैकड़ों नियमित रक्तदाता मानव सेवा के इस अभियान से जुड़े हुए हैं और किसी भी आपात स्थिति में तत्परता के साथ रक्तदान करते हैं। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026 के अभी मात्र पांच महीने ही पूर्ण हुए हैं और इस अवधि में विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के रक्तदाताओं द्वारा 300 से अधिक रक्तदान एवं एसडीपी दान किया जा चुका है। यह उपलब्धि संस्था की सक्रियता, रक्तदाताओं की प्रतिबद्धता और मानव सेवा के प्रति समर्पण को दर्शाती है। विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है तथा जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त एवं एसडीपी दान की व्यवस्था कराई जाती है। संस्था के सहयोग से मिर्जापुर जिला रक्त केंद्र, सर सुंदरलाल चिकित्सालय (बीएचयू), वाराणसी, होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, वाराणसी, महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र, वाराणसी तथा कृष्णा ब्लड सेंटर, मिर्जापुर में नियमित रूप से रक्तदान एवं एसडीपी दान कराया जाता है। समारोह में उपस्थित चिकित्सकों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि संस्था रक्तदान सेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी है। संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयास समाज में मानवता, सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। विश्व रक्तदाता दिवस पर प्राप्त यह सम्मान विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट के लिए गौरव का विषय है तथा आने वाले समय में संस्था को और अधिक उत्साह एवं ऊर्जा के साथ मानव सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा प्रदान करेगा।

सिनेमाघरो व मल्टी प्लैक्स में दिव्यांगजनो के पहुंच के लिए मिलेगी यांत्रिक व भौतिक सुविधाएं

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। उच्च न्यायालय, दिल्ली द्वारा रिट याचिका संख्या (सी) 16833/2024 में पारित आदेश दिनांक-19.02.2026 एवं 07.05.2026 तथा तत्क्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी पत्र दिनांक-11.05.2026 के अनुपालन में सभी सिनेमाघरों एवं मल्टीप्लेक्स में दिव्यांगजनों की सिनेमा हॉल्स/मल्टीप्लेक्स में सहज पहुंच के लिये दृश्य-विवरण (नकपव वमेबतपचजपवद) एवं लिखित विवरण (बसवेमक बंचजपवदपदह) जैसी तकनीकी सुविधाओं के साथ पर्याप्त यांत्रिक एवं भौतिक सहायता उपलब्ध कराए जाने व इन उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए एक हेल्पलाइन बनाये जाने हेतु जनपद के समस्त एकल एवं मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों के संचालकों को प्रेषित/निर्देशित किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में मीरजापुर के समस्त मल्टीप्लेक्स/एकल स्क्रीन छविगृह के संचालकों/प्रबन्धकों की बैठक के साथ आहूत की गयी। बैठक में समस्त एकल एवं मल्टीप्लेक्स सिनेमाघरों के संचालकों को, दिव्यांगजनों के लिये उपरोक्त सुविधाएं अपने-अपने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रेरित/निर्देशित किया गया। उपस्थित समस्त सिनेमा संचालकों/प्रबंधकों द्वारा आश्वासन दिया गया कि वे शीघ्र ही अपने-अपने सिनेमाघरों/मल्टीप्लेक्स में उक्त सुविधाओं की व्यवस्था किये जाने का प्रत्येक सम्भव प्रयास करेंगे और अनुपालन होने के उपरान्त अवगत भी करायेंगे। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, सहायक आयुक्त जी.एस.टी. ओम प्रकाश शुक्ला सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का डिप्टी सीएमओ ने किया निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

सुलतानपुर। जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भादा में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का डिप्टी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.सी. सरोज ने आकस्मिक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, चिकित्सा सेवाओं तथा स्वास्थ्य केंद्र की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। डिप्टी सीएमओ ने स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों से विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने महिलाओं की डिलीवरी सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध संसाधनों के संबंध में भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही विभिन्न रोगों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं। मेले के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को एक ही स्थान पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. आयुष सोमवंशी, फार्मासिस्ट गंगेश पांडेय, लैब टेक्निशियन प्रतीक कुमार, स्टाफ नर्स छाया सिंह, माला वर्मा, एएनएम ममता यादव, वार्ड बॉय नवनीत तथा आशा संगिनी नीलम सिंह सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएमओ ने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

विकास एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कैबिनेट मंत्री/जनपद के प्रभारी मंत्री नें जनप्रतिनिधिगण के साथ किया मीडिया संवाद

मिर्जापुर। रविवार को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जनपद में हुए विकास कार्यों की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद के प्रभारी मंत्रीध् औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन.आई.आई. एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग नन्द गोपाल गुप्ता श्नन्दी जीश् ने रविवार को जिला पंचायत सभागार में मीडिया संवाद किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगणों की गरिमामयी उपस्थिति में मंत्री जी ने विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश व प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास, सुशासन, सेवा, संस्कार एवं सम्मान के साथ–साथ मीरजापुर जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं उल्लेखनीय कार्यों के बारे विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने आमजन के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों पर भी प्रकाश डाला। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मीरजापुर में कहा कि पीएम मोदी के 12 वर्ष विकसित भारत के सपनों को साकार करने का सफर है। उन्होंने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, हर घर नल योजना और गड्ढा मुक्त सड़कों को सरकार की प्राथमिकता बताया, साथ ही केंद्र की सफलताओं पर प्रकाश डाला। सरकार भ्रष्टाचार के प्रति जीरा टारलेंस की नीति पर काम कर रही है। केवल भाजपा सरकार में ही आरोपित खाकी को भी खाकी ही गिरफ्तार कर रही है। हर घर नल योजना के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना और गड्ढा मुक्त सड़कें पहली प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। बजट की कमी होने पर बात करके दिलाया जाएगा। साथ ही लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। 12 वर्ष आत्मनिर्भर व विकसित भारत के सपनों को सच करने का एक शानदार सफर है।

श्री श्री बाबा नीम करोली धर्मत सेवा द्वारा तीसरा कैंची धाम स्थापना दिवस पर कीर्तन एवं भंडारे का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। श्री श्री बाबा नीम करोली धर्मत सेवा द्वारा तीसरा कैंची धाम स्थापना दिवस के पावन अवसर पर नीलमथा बाजार विजय नगर चौराहा, पर कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पूजा बाबा नीम करौली बाबा को भोग लगाकर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं भक्तों ने पहुंचकर बाबा नीम करौली महाराज का प्रसाद लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजकों के अनुसार यह भंडारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कैंची धाम स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह भजन कीर्तन कर किया गया, दोपहर 2 बजे से भंडारे का प्रसाद देर शाम तक चलता रहा। भंडारे में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में किया गया। भंडारे के संयोजक एवं पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मलखान यादव ने सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया और बाबा नीम करौली महाराज की कृपा से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है और समाज में सेवा एवं सद्भावना का संदेश दे रहा है। भक्तों ने बाबा के जयकारों के साथ प्रसाद ग्रहण किया तथा आयोजन की सराहना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा, भक्ति और सेवा का वातावरण बना रहा।

बेजुबान पशुओं के लिए आगे आया अयोध्या पब्लिक सेवा संस्थान

राम नगरी अयोध्या में सामाजिक सरोकारों को नई दिशा देते हुए अयोध्या पब्लिक सेवा संस्थान ने बेजुबान पशुओं के लिए सराहनीय पहल की। भीषण गर्मी के बीच संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सड़क किनारे घूम रहे पशुओं को तरबूज और ब्रेड वितरित कर मानवता और करुणा का संदेश दिया। संस्था के संरक्षक राकेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव और अरुण कुमार यादव की मौजूदगी में चलाए गए इस अभियान को स्थानीय लोगों ने भी खूब सराहा। सेवा कार्य के दौरान पशुओं को भोजन और पानी उपलब्ध कराया गया, जिससे गर्मी में परेशान बेजुबान जीवों को राहत मिल सकी। महिलाओं की भागीदारी से अभियान को मिलेगा विस्तार संस्था की ओर से बताया गया कि अब यह सेवा अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा। विशेष रूप से महिलाओं की टीम हर माह दो दिन इस कार्य को समर्पित करेगी। इस दौरान शशि रावत समाज सेविका, शैल कुमारी रत्ना जायसवाल, मंडल अध्यक्ष प्रतिभा यादव, सुप्रिया श्रीवास्तव, बबीता यादव और नीति श्रीवास्तव की सक्रिय भागीदारी रही। संस्था का मानना है कि महिलाओं की सहभागिता से सामाजिक सेवा अभियानों को और मजबूती मिलेगी। अब बेजुबान पशुओं के लिए शुरू किया गया यह अभियान संस्था के सेवा कार्यों को एक नई पहचान देता नजर आ रहा है। समाज को दिया संवेदनशीलता का संदेश इस पहल के जरिए संस्था ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि समाज की जिम्मेदारी केवल इंसानों तक सीमित नहीं है।

15 दिवसीय कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य समापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। संस्कार भारती, मिर्जापुर इकाई एवं महेश्वर साधना ललित कला प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का भव्य समापन रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के मध्य संपन्न हुआ। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सोहनलाल श्रीमाली, उपाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी, श्री दिनेश्वर पति त्रिपाठी त्रिपाठी, वेदमूर्ति आचार्य अगस्त्य द्विवेदी तथा प्लेवे स्कूल के निदेशक श्री रचित जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं संस्कार भारती गीत के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत संस्कार भारती के पदाधिकारियों द्वारा पुष्प एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यशाला के प्रशिक्षक मनीष शर्मा ने 15 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों द्वारा अर्जित कला-कौशल का सुंदर प्रदर्शन कराया। बच्चों ने टुकड़ा, तिहाई, चक्कर, परन तथा छोटे ख़याल की बंदिशों पर आकर्षक कथक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी साधना और प्रतिभा का परिचय दिया। अंत में प्रशिक्षक मनीष शर्मा ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति देकर उपस्थित दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की। इस अवसर पर संस्कार भारती, मिर्जापुर इकाई द्वारा कार्यशाला के सफल संचालन में विशेष योगदान देने वाले दोनों संयोजकों श्री सोमेश्वर पति त्रिपाठी एवं श्रीमती शालू वर्मा का सम्मान किया गया। दोनों संयोजकों ने पूरे 15 दिनों तक अत्यंत मनोयोग, समर्पण और अनुशासन के साथ कार्यशाला का संचालन कर उसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले श्रीमती कुसुम मालवीय एवं पंडित शिवांग त्रिपाठी को भी सम्मानित किया गया। साथ ही प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर शिवलाल गुप्ता,राकेश वर्मा ,संजय श्रीवास्तव,शिवबली सिंह, रामलाल साहनी, बसंत गुप्ता, पंडित ओमप्रकाश मिश्रा, राममिलन जी,राम धनी पाल ,सुरेश मौर्या,प्रमोद मिश्रा,अनिल जी,केदार नाथ सविता,लल्लू तिवारी ,राम नारायण यादव ,सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं प्रशिक्षणार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्कार भारती, मिर्जापुर के जिला महामंत्री शिवराम शर्मा ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, सहयोगियों, अभिभावकों एवं कला-प्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय कलाओं का संरक्षण और संवर्धन समाज के सामूहिक सहयोग से ही संभव है।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का आज सुलतानपुर आगमन, कार्यकर्ता समागम को करेंगी संबोधित

सुलतानपुर। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का सोमवार को सुलतानपुर आगमन होगा। वह जिले के पंडित रामनरेश त्रिपाठी सभागार में आयोजित जिला स्तरीय कार्यकर्ता समागम में शामिल होकर पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करेंगी। पार्टी संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा के उद्देश्य से आयोजित इस समागम को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में जिले भर से बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के शामिल होने की संभावना है। जिलाध्यक्ष एडवोकेट राकेश वर्मा ने बताया कि केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल कार्यकर्ताओं से संवाद कर संगठन की मजबूती, जनसंपर्क अभियान और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के संबंध में मार्गदर्शन देंगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिलाध्यक्ष ने जिले के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

असर खेड़ा में पहुँचा विकास दर्शन रथ, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास, सेवा और जनकल्याण की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने के उद्देश्य से सोमवार को ग्राम पंचायत कुड़ा ईटगांव के मजरा असर खेड़ा में विकास दर्शन रथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्रवासियों को विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों, जनहितकारी योजनाओं तथा लोककल्याणकारी पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए विकास कार्यों के प्रति संतोष व्यक्त किया। विकास दर्शन रथ के माध्यम से सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई। साथ ही क्षेत्र के विकास संबंधी उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को वर्ष भर उपयोगी कैलेंडर वितरित किए गए। वहीं माँ तारा शक्ति निःशुल्क रसोई केंद्र की ओर से भोजन सेवा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रसाद स्वरूप भोजन ग्रहण किया। आयोजन के दौरान सामाजिक समरसता और जनसहभागिता का माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रामलल्ली, रीतू सिंह, मधु सिंह, गुड़िया रावत, बबली कनौजिया, सलमा बानो, राजरानी कनौजिया, विमला देवी, रानी देवी, नीलम, अनीता, सीमा गौतम, रीता देवी, मोहम्मद सलीम, राम चंदर, सोनू पाल, शिवा पाल, मोनू पाल, अखिलेश गौतम, रामलखन कुमार, शक्तिकान्त त्रिवेदी, संजय रावत, राम विलास, अंशु पाल, विजय पाल तथा दिनेरा सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि विकास दर्शन रथ केवल योजनाओं की जानकारी देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सरोजनीनगर परिवार और क्षेत्रवासियों के बीच संवाद, विश्वास एवं जनभागीदारी को मजबूत करने का सशक्त मंच भी है। इस पहल से विकास कार्यों की जानकारी सीधे जनता तक पहुंच रही है और लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने में मदद मिल रही है। कार्यक्रम का समापन क्षेत्र के समग्र विकास, जनसेवा और जनकल्याण के संकल्प को दोहराते हुए किया गया। उपस्थित लोगों ने इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रमों को समाज और क्षेत्र के विकास के लिए उपयोगी बताया।

मोहर्रम को लेकर दरगाह हज़रत अब्बास में पीस मीटिंग

लखनऊ। आगामी मोहर्रम के मद्देनजर सहादतगंज स्थित दरगाह हज़रत अब्बास के मुतवल्ली मीसम रिज़वी की पहल पर एक महत्वपूर्ण पीस मीटिंग आयोजित की गई। स्थानीय मैरिज हॉल में हुई बैठक में पश्चिम डीसीपी, कमलेश तिवारी एसीपी,सहादतगंज थाना प्रभारी संतोष आर्या सहित कई थाना प्रभारियों और क्षेत्रीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। बैठक में मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्गों की साफ–सफाई और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर चर्चा हुई। थाना प्रभारी संतोष आर्या के सकारात्मक व्यवहार और शेरो–शायरी ने लोगों का दिल जीत लिया,वहीं स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन को पूरा सहयोग देने का भरोसा जताया ।डीसीपी ने सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी भ्रामक सूचना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी जाए।

कैबिनेट मंत्री ने सिटी विकास खण्ड के पिपराडाढ़ ग्राम में जन चैपाल लगाकर ग्रामीणो की समस्याएं सुनते हुए अधिकारियो को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

- ❑ सरकार द्वारा संचालित योजनाएं अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना केन्द्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता -नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
- ❑ कार्यक्रम में अन्न प्राशन व गोदभराई के अलावा वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश-अधिकारियो द्वारा संचालित योजनाओ की ग्रामीणों को दी गई जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। प्रदेश के मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी जी' अपने जनपद भ्रमण के दौरान देर शाम सिटी विकासखंड के ग्राम पिपराडाढ में जन चैपाल आयोजित कर केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों से वार्ता कर क्रियान्वयन के बारे में जानकारी ली। ?चैपाल में मंत्री द्वारा उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओ को गम्भीरता पूर्वक सुना तथा उसके निस्तारण का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इसके पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा कृषि फार्म पर वृक्षारोपण किया गया तथा आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग द्वारा संचालित व लगाए गए प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। प्रभारी मंत्री जी द्वारा आंगनवाड़ी द्वारा संचालित गोद भराई व अन्नप्राशन कार्यक्रम के तहत गर्भवती माताओं को पोषण पोटली दिया तथा नवनिहाल बच्चों को अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर ग्राम स्तरीय अधिकारियों कर्मचारियों से वार्ता कर कार्यों के बारे में समीक्षा की गई। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाएं गांव के अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है तथा जनता की समस्याओ का समाधान उनके दरवाजे पर ही करना उद्देश्य है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री लाल बहादुर सरोज, विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, विधायक मझवा सूचिस्मिता मौर्य, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए धर्मवीर सिंह भाजपा के पदाधिकारी गौरव उमर, जिला मंत्री वीरेंद्र प्रताप यादव उपस्थित रहे।

वामिका गब्बी बोलीं- मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है

एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका इन दिनों हालिया फिल्म श्पति पत्नी और वो दोश् को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में कैट फाइट्स के सवाल पर कहा- यहां डॉग फाइट्स भी होती हैं। उन्होंने कहा- मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। वामिका गब्बी पति पत्नी और वो दो आहिस्ता-आहिस्ता ही सही पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जगह बना ही ली। एक समय में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे इंडस्ट्री के टॉप हीरोज की हीरोइन बनने का मौका मिल रहा है। एक समय इंडस्ट्री से निराश होकर बोरिया -बिस्तर समेटने का मन बना चुकी वामिका अपने मुकाम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी हालिया फिल्म श्पति पत्नी और वो दोश् से। उनसे एक खास बातचीत। सोशल मीडिया के पागलपन पर रोक लगाना जरूरी सोशल मीडिया के दौर में वामिका गब्बी को कभी तारीफ मिलती है, तो कई बार वे ट्रोल भी जाती हैं। हाल ही में वे उस वक्त ट्रोल हो गईं थीं, जब वे साथी कलाकार राजपाल यादव को तवज्जो नहीं दे पाई थी। सोशल मीडिया की ट्रोलिंग को लेकर वामिका दो टूक कहती हैं, श्मैं समझती हूं कि सोशल मीडिया पर निश्चित रूप से रेगुलेशन होनी चाहिए, क्योंकि यहां पर कोई भी मुंह उठाकर आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है। सोशल मीडिया पर कुछ भी बोलने की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती। एक तो सिर्फ एक्टर्स के वेरिफाइड अकाउंट होते हैं। मुझे लगता है हर किसी का वेरिफाइड अकाउंट होना चाहिए। आज कल सोशल मीडिया एक सर्कस की तरह हो गया है, जिसका जो मन करता है, बोलता है। ये इसलिए हो रहा है कि आपको ये पता नहीं कि कोई आपको पकड़ सकता है। सोशल मीडिया के इस पागलपन पर रोक लगनी जरूरी है। वरना लोग तो पहले से ही पागल हो रहे हैं।श् फीडम में यकीन रखने वाला हो जीवनसाथी वामिका से जब पूछा जाता है कि उन्हें किस तरह के हज्बैंड की ख्वाहिश है? तो वे तपाक से हंसते हुए कहती हैं, श्ये आप कैसा सवाल पूछ रही हैं? इसका जवाब तो बहुत मुश्किल है। (सोचते हुए) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। देखिए, कंपैटिबिलिटी जरूरी है, मगर मेरे होने वाले जीवनसाथी में ये बातें बहुत जरूरी हैं। और भी पॉइटंस हैं, जिन्हें मैं जल्द ही फिगर आउट करूंगी .(हंस देती हैं) मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला हो। वो फीडम में विश्वास रखे। उसमें बदलाव को स्वीकार करने का गुण हो। कई लोग खुद को बदलने में यकीन नहीं करते, तब बहुत मुश्किल आती है। श्कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैंश् इंडस्ट्री में कैट फाइट्स जैसा टर्म बहुत मशहूर रहा है। इस पर उस वक्त और ज्यादा चर्चा होती है, जब एक फिल्म में कई एक्ट्रेसेस हों। वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान के साथ -साथ रकुल प्रीत भी हैं। मगर वामिका कैट फाइट्स टर्म का बचाव करते हुए कहते हैं, श्कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। हमारी फिल्म की शूटिंग के दौरान हम सभी ने बहुत ही मजेदार वक्त बिताया। क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान तो पूरी कास्ट साथ थी और शूटिंग की लोकेशन होटल से एक घंटे की दूरी पर थी, तो हम सभी एक साथ शूट पर जाया करते थे। पंजाबी म्यूजिक के साथ -साथ हम लोग खाना भी साथ खाते। हमने तो एक साथ जिमिंग और स्विमिंग भी की।श् कैट फाइट्स ही क्यों डॉग फाइट्स भी तो होती हैं। हर जगह हर तरह की फाइट्स होती हैं, ये तो निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं। श्तब हंस-हंस कर पागल हो गई थीश् अब तक कई गंभीर भूमिकाएं कर चुकी वामिका कॉमिडी के बारे में कहती हैं, श्कॉमिडी करना आसान नहीं था, मगर इसे करते हुए मुझे बहुत मजा आया। मुझे लगा कि मुझे यही करना था। मैं तो इस जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी मैं मुदस्सर सर (निर्देशक मुदस्सर अजीज) के पास कई कॉमिक आइडियाज लेकर जाया करती थी। मेरे अंदर का कॉमिडी वाला जो जानवर है, उसे मुझे निकालने की बहुत जरूरत है। कॉमिक रोल को करते हुए लगा कि मैं इसमें बहुत कुछ कर सकती हूं। मैंने कॉमिडी को हद से ज्यादा इंजॉय किया। मैं मानती हूं कि एक्टिंग के क्राफ्ट में कॉमिडी सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण होती है, मगर एक बार आप जब इस दुनिया में प्रवेश करते हैं और उस हंसी के माहौल और किरदार की नस पकड़ लेते हैं, तो फिर आप उसके साथ आपको बहुत कुछ खेलने को मिलता है। शूटिंग की रिहर्सल के दौरान भी मुदस्सर सर के साथ हंस-हंस कर पागल हो जाया करते थे। मुझे खुद नहीं समझ आ रहा था कि मेरे दिमाग में हंसाने के इतने आइडियाज कैसे आ रहे हैं? मैंने काफी इम्प्रोवाइज किया। उससे पहले नरेशन में भी हंसी के मारे मेरे पेट में दर्द हो गया था। उम्मीद करती हूं कि मुझे और ज्यादा कॉमिक रोल मिलें।श् बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका वेब सीरीज श्ग्रहणश् से मिली पहचान ने उनके करियर को नई दिशा दी. इसके बाद श्जुबलीश् और श्खुफियाश् जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स ने साबित कर दिया कि वामिका सिर्फ खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि दमदार अभिनय क्षमता वाली कलाकार हैं. अब उन्हें अक्षय कुमार, राजकुमार राव और आयुष्मान खुराना जैसे बड़े सितारों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है. वहीं एक समय ऐसा भी था जब वामिका इंडस्ट्री से निराश होकर सब कुछ छोड़ने का मन बना चुकी थीं. मगर आज वो अपने संघर्ष और सफलता दोनों को खुलकर जी रही हैं. इन दिनों वो अपनी हालिया फिल्म पति पत्नी और वो दो को लेकर चर्चा में हैं. वहीं इसी सिलसिले में उनसे हाल ही में खास बातचीत हुई, जो अब चर्चा में है. 卐सोशल मीडिया अब सर्कस बनता जा रहा है卐 सोशल मीडिया के इस दौर में कलाकारों को जहां खूब तारीफ मिलती है, वहीं ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ता है. हाल ही में वामिका उस समय विवादों में आ गई थीं, जब एक कार्यक्रम के दौरान वो साथी कलाकार राजपाल यादव को अटेंशन नहीं दे पाईं. इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें काफी ट्रोल किया गया. श्हर व्यक्ति का अकाउंट वेरिफाइड होना चाहिएश् इस पूरे मुद्दे पर वामिका बेबाकी से अपनी राय रखती हैं. वो कहती हैं, 卐मुझे लगता है कि सोशल मीडिया पर रेगुलेशन होना बेहद जरूरी है. यहां कोई भी आता है और कुछ भी बोलकर चला जाता है. किसी की कोई अकाउंटेबिलिटी नहीं होती. सिर्फ कलाकारों के अकाउंट वेरिफाइड होते हैं, जबकि मेरा मानना है कि हर व्यक्ति का अकाउंट वेरिफाइड होना चाहिए.卐 वो आगे कहती हैं, 卐आजकल सोशल मीडिया एक सर्कस जैसा बन गया है. जिसका जो मन करता है, वो बोल देता है. लोगों को लगता है कि उन्हें कोई पकड़ नहीं सकता. यही वजह है कि यहां पागलपन बढ़ता जा रहा है. इस पर रोक लगनी चाहिए, वरना लोग मानसिक रूप से और ज्यादा प्रभावित होंगे.卐 श्मेरा जीवनसाथी फीडम में विश्वास रखने वाला होना चाहिएश् जब वामिका से उनके सपनों के जीवनसाथी के बारे में पूछा गया, तो वो हंस पड़ीं. कुछ देर सोचने के बाद उन्होंने कहा, 卐मेरा होने वाला पति जानवरों से प्यार करने वाला होना चाहिए. वो ऐसा इंसान हो जो फीडम में यकीन रखता हो.卐 वामिका रिश्तों में बदलाव को स्वीकार करने की अहमियत भी बताती हैं. उनके मुताबिक, 卐कई लोग खुद को बदलना नहीं चाहते और वहीं से रिश्तों में मुश्किलें शुरू होती हैं. कंपैटिबिलिटी बहुत जरूरी है. रिश्ते तभी चलते हैं जब दोनों लोग एक-दूसरे के साथ बदलने और आगे बढ़ने को तैयार हों.卐 मुस्कुराते हुए वो कहती हैं, 卐बाकी और भी बहुत सी बातें हैं, जिन्हें मैं अभी धीरे-धीरे समझ रही हूं.卐 卐कैट फाइट्स ही क्यों, डॉग फाइट्स भी तो होती हैं卐 फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेसेस के बीच विवादों को अक्सर 卐कैट फाइट卐 कहकर पेश किया जाता है. खासतौर पर तब, जब किसी फिल्म में कई एक्ट्रेसेस साथ काम कर रही हों. वामिका की हालिया फिल्म में उनके साथ सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आ रही हैं. ऐसे में जब उनसे 卐कैट फाइट卐 को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने मजेदार अंदाज में जवाब दिया, 卐कैट फाइट्स ही क्यों? डॉग फाइट्स भी तो होती हैं. हर जगह हर तरह के मतभेद होते हैं. ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप किन लोगों के साथ काम कर रहे हैं.卐 उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान पूरी टीम ने बेहद शानदार समय बिताया. क्लाइमैक्स की शूटिंग के दौरान सभी कलाकार साथ में सफर करते, पंजाबी म्यूजिक सुनते और एक साथ खाना खाते थे. वामिका ने कहा, 卐हम लोग साथ में जिम भी करते थे और स्विमिंग भी. पूरी टीम के बीच बहुत अच्छा माहौल था. कहीं भी किसी तरह की नेगेटिविटी नहीं थी.卐 卐कॉमेडी करते हुए लगा कि यही मेरा असली जोन है卐 अब तक गंभीर और इंटेंस भूमिकाओं में नजर आ चुकी वामिका का मानना है कि कॉमेडी अभिनय की सबसे हार्ड मोड है. हालांकि उन्होंने अपनी नई फिल्म में कॉमिक किरदार निभाकर इसे खूब एंजॉय किया. वो कहती हैं, 卐कॉमेडी करना आसान नहीं है, लेकिन इसे करते हुए मुझे एहसास हुआ कि शायद मुझे यही करना चाहिए था. मैं इस जॉनर को और ज्यादा एक्सप्लोर करना चाहती हूं.卐 फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए वामिका बताती हैं, 卐मैं शूटिंग के दौरान अक्सर उनके पास नए कॉमिक आइडियाज लेकर जाती थी. मेरे अंदर जो कॉमेडी वाला जानवर है, उसे बाहर आने की बहुत जरूरत थी.卐 एक्ट्रेस आगे कहती हैं, 卐कॉमेडी में एक बार अगर आप किरदार की नस पकड़ लें, तो फिर उसके साथ बहुत कुछ खेलने को मिलता है. रिहर्सल के दौरान हम लोग इतना हंसते थे कि पागल हो जाते थे.卐 वामिका ने ये भी बताया कि फिल्म के नरेशन के दौरान ही वो हंसते-हंसते पेट पकड़ने लगी थीं. उन्होंने कहा, 卐मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मेरे दिमाग में इतने मजेदार आइडियाज कहां से आ रहे हैं. मैंने काफी इम्प्रोवाइजेशन भी किया. उम्मीद है कि आगे मुझे और ज्यादा कॉमिक रोल करने का मौका मिलेगा.卐

साउथ एक्टर राम चरण पिछले लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म श्पेड्डीश्को लेकर चर्चा में हैं. इस स्पोर्टस एक्शन ड्रामा फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना हैं. वहीं, फिल्म में राम चरण बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करने वाले हैं. हाल ही में श्पेड्डीश् के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में राम चरण ने अपनी को-स्टार जाह्नवी कपूर की जमकर तारीफ की. जाह्नवी कपूर ने श्पेड्डीश् के लिए की कड़ी मेहनत राम चरण ने जाह्नवी कपूर को श्छुपा रुस्तमश् बताया. एक्टन ने बताया कि जाह्नवी ने इस फिल्म के लिए चुपचाप तैयारी की और अपनी परफॉर्मेंस से सभी को सरप्राइज किया. राम चरण ने कहा, श्वो एक छुपा रुस्तम हैं. बिना किसी को बताए वो मुंबई में चुपचाप सीखती और प्रैक्टिस करती रहीं. सच कहूं तो मैंने अपनी जिंदगी में इतना मेहनती इंसान नहीं देखा.श् बिल्कुल नए अवतार में दिखेंगी जाह्नवी कपूर उन्होंने आगे यह भी कहा, श्पेड्डीश् जैसी फिल्म हर कलाकार से पूरी ईमानदारी और कड़ी मेहनत की मांग करती है और जाह्नवी इसमें पूरी तरह खरी उतरी.श् गौरतलब है कि फिल्म श्पेड्डीश् में जाह्नवी एक बिल्कुल नए और रॉ अवतार में नजर आने वाली हैं. जाह्नवी कपूर ने मुझझे बेहतर किया है- राम चरण जाह्नवी के साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए राम चरण ने बताया कि टीम लगभग 85 दिनों से लगातार शूटिंग कर रही थी, जिसके बाद एक गाने की शूटिंग हुई. उन्होंने कहा, श्मुझे गाने की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला. जाह्नवी ने मुझसे सौ गुना बेहतर किया है.श् इवेंट में राम चरण की ये बात सुनकर फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री को लेकर दर्शकों के बीच एक्साइटमेंट और बढ़ गया है. दर्शकों को पसंद आएगी राम चारण और जाह्नवी कपूर की जोड़ी ट्रेलर लॉन्च इवेंट में राम चरण थोड़े इमोशनल भी नजर आए. उन्होंने याद किया कि उनके पिता और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने पहले साथ काम किया था. अपनी बात खत्म करते हुए उन्होंने फैंस को भरोसा दिलाया कि उनकी और जाह्नवी की नई ऑनस्क्रीन जोड़ी दर्शकों को बिल्कुल निराश नहीं करेगी. बता दें कि श्पेड्डीश् 4 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

रणवीर सिंह की फिल्म श्धुरंधर 2श् कानूनी विवाद में घिर गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड (ब्ठथ्ब्) को फिल्म के खिलाफ लगी याचिका की जांच करने के निर्देश दिए हैं। सशस्त्र सीमा बल (ैठ) के एक जवान ने जनहित याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि फिल्म में सेना के ऑपरेशन से जुडी गुप्त जानकारियां दिखाई गई हैं। कोर्ट ने कहा कि फिल्म भले ही काल्पनिक हो, लेकिन सुरक्षा से जुड़ी की चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सेंसर बोर्ड करेगा जांच चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (ब्ठथ्ब्) को इस याचिका पर विचार कर फैसला लेने को कहा है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि भले ही यह फिल्म मनोरंजन के लिए बनाई गई एक काल्पनिक कहानी है, लेकिन इसके प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने इसे ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के उल्लंघन के आरोपों के तहत जांचने के लिए कहा है। एसएसबी जवान ने उठाए सुरक्षा पर सवाल यह याचिका एसएसबी में हेड कांस्टेबल दीपक कुमार ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म में सेना के ऑपरेशन्स की बारीक जानकारियां दिखाई गई हैं, जिससे देश की सुरक्षा और अखंडता को खतरा हो सकता है। याचिकाकर्ता के मुताबिक, फिल्म में कुछ खास जगहों और किरदारों को इस तरह दिखाया गया है जो बड़े अधिकारियों और शहीद सैनिकों से मेल खाते हैं। इतनी साफ जानकारियां दिखाना देश की सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सौंपा केस हाई कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए याचिका को पूरी तरह खारिज नहीं किया। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता ने जो मुद्दे उठाए हैं, उन पर सही तरीके से विचार करना और उनका समाधान निकालना जरूरी है। कोर्ट ने इस रिट याचिका को एक प्रजेंटेशन (अभ्यावेदन) मानकर सूचना और प्रसारण मंत्रालय को सौंप दिया है।

24 साल बाद वापसी पर मिली 2-0 से हार

नेस्टोरी इरंकुंडा और कॉनर मेटकाफके गोल की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने यहां 2–0 से जीत दर्ज करके तुर्किए की 24 साल बाद विश्व कप फुटबॉल में वापसी के जश्न में रंग में भंग डाल दिया। इस मैच को देखने के लिए फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी स्टेडियम में पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलिया की जीत का श्रेय उसके गोलकीपर पैट्रिक बीच को भी जाता है जिन्होंने ग्रुप डी के इस मैच में आठ शानदार बचाव किए। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार और कुल मिलाकर सातवीं बार विश्व कप में खेल रहा था। तुर्किए 2002 में विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा था, लेकिन उसके बाद लगातार पांच टूर्नामेंट में जगह बनाने से चूक गया। उसने इस साल प्लेऑफमें कोसोवो को हराकर क्वालीफाई किया। इरंकुंडा ने तीन डिफेंडरों से घिरे होने के बावजूद27वें मिनट में निचले शॉट से गोल करके ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिला दी। इरंकुंडा ने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल के दिग्गज टिम कहिल के इस खेल में योगदान को याद करने के लिए कॉर्नर फ्लैग पर मुक्का मारकर जश्न मनाया। वाटफोर्ड के लिए खेलने वाले 20 वर्षीय इरंकुंडा ऑस्ट्रेलिया की तरफसे विश्व कप में सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए हैं। इसके कुछ मिनट बाद बीच ने अब्दुलकरीम बरदाकसी के जोरदार शॉट को रोककर शानदार बचाव किया। ऑस्ट्रेलिया के कोच टोनी पोपोविच ने अनुभवी गोलकीपर मैथ्यू रयान की जगह बीच को शुरुआती एकादश में रखने का चौंकाने वाला फैसला किया जो सही साबित हुआ। तुर्किए को 57वें मिनट में फ्री किक मिली, लेकिन बीच ने बड़ी खूबसूरती से अर्दा गुलेर के शॉट को बचा दिया। रियाल मैड्रिड के लिए खेलने वाले 21 वर्षीय मिडफील्डर गुलेर का जन्म उस समय नहीं हुआ था जब तुर्किए इससे पहले आखिरी बार विश्व कप में खेला था। कॉनर मेटकाफने 75वें मिनट में इस्माइल युकसेक की गलती का फायदा उठाते हुए ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को दोगुना कर दिया।

जीत के साथ किया आगाज

महिला ज्20 वर्ल्ड कप 2026 के छठे मैच में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों का आमना–सामना हुआ। 14 जून को बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा जीत हासिल की। मैच की शुरुआत भारत के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के साथ हुई। पारी की शुरुआत शैफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। जहाँ शैफाली छह रन बनाकर आउट हो गईं, वहीं स्मृति ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 68 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स सात गेंदों में एक रन बनाकर आउट हुईं, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 35 गेंदों में 36 रन बनाए। इसके अलावा, ऋचा घोष का प्रदर्शन भी शानदार रहाय उन्होंने 17 गेंदों में 34 रन बनाए, जिससे भारत ने पहली पारी में कुल 170 रन का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की बात करें तो सादिया इकबाल और फातिमा सना ने सबसे ज्यादा दो–दो विकेट लिए। तस्मिया रुबाब और रामीन शमीम ने भी एक–एक विकेट हासिल किया। मैच की दूसरी पारी में पाकिस्तान की महिला टीम अच्छी शुरुआत की उम्मीद के साथ उतरीय टीम की ओपनर मुनीबा अली और गुल फिरोजा ने क्रमशः 41 और 12 रन बनाए।

रोज 100 ओवर बैटिंग करता था

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले दो सत्र में वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक बल्लेबाजी ने भले ही सभी को हैरान कर दिया हो, लेकिन उनके बचपन के कोच मनीष ओझा के अनुसार उनके शॉट्स की यह ताकत और तकनीक छह साल की कठिन मेहनत और लगातार अभ्यास का नतीजा है। ओझा ने कहा कि यह किशोर बल्लेबाज रोजाना लगभग आठ घंटे अभ्यास करता था और करीब 100 ओवर तक गेंदों का सामना करता था। महज 15 वर्ष की उम्र में विश्व क्रिकेट के सबसे चर्चित बल्लेबाजों में शुमार सूर्यवंशी को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफटी20 अंतरराष्ट्रीय दौरे के लिए चुनी गयी भारतीय टीम में भी जगह मिली है। आईपीएल के बीते सत्र में वह 237 की शानदार स्ट्राइक रेट से 776 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे। पटना स्थित अपनी अकादमी में आठ साल की उम्र से वैभव को प्रशिक्षण देने वाले कोच मनीष ओझा ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि खिलाड़ी की सफलता के पीछे कड़ी मेहनत के साथ–साथ माता–पिता संजीव और आरती का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अब कई माता–पिता अपने छोटे बच्चों को फ्रअगला वैभवफ्र बनाने के उद्देश्य से अकादमियों में ला रहे हैं, लेकिन यह उतना आसान नहीं है जितना दिखता है। तो जब सूर्यवंशी ने टेनिस बॉल के बजाय हार्डबॉल से खेलना शुरू किया

विश्वकप में गूंजा भारत का नाम

धीरज ने जीते दो स्वर्णय मां ने मंगलसूत्र गिरवी रखकर कराई थी तैयारी

नई दिल्ली। भारत के तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा ने तुर्किये के अंताल्या में विश्वकप स्टेज–3 में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्ष, त्याग और परिवार के भरोसे की लंबी कहानी छिपी है। एक समय ऐसा था जब उपकरण खरीदने के लिए उनकी मां को अपना मंगलसूत्र गिरवी रखना पड़ा था, जबकि पिता बेटे का सपना पूरा करने के लिए खुद तीरंदाजी के जज बन गए थे। अब धीरज ने विश्व मंच पर दो स्वर्ण जीतकर अपने माता–पिता के त्याग को सार्थक कर दिया है। तुर्किये के अंताल्या में जब भारतीय तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा पोडियम पर खड़े होकर राष्ट्रगान सुन रहे थे, तब यह सिर्फदो स्वर्ण पदकों की कहानी नहीं थी। यह एक ऐसे परिवार की जीत थी जिसने आर्थिक तंगी, संघर्ष और अनिश्चितताओं के बीच अपने बेटे के सपने को जिंदा रखा। 24 वर्षीय धीरज ने विश्व तीरंदाजी विश्वकप स्टेज–तीन में दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने पहले 17 वर्षीय कुमकुम मोहोड के साथ रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता और फिर पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग के फाइनल में दक्षिण कोरिया के स्टार तीरंदाज ली वू सियोक को हराकर दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया। पिता ने बेटे के लिए बदल दी जिंदगी धीरज के पिता श्रवण कुमार खेलों के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने बेटे को बैडमिंटन, फुटबॉल, टेनिस और क्रिकेट से परिचित कराया, लेकिन धीरज का मन कहीं नहीं लगा। एक दिन उनकी नजर तीरंदाजी का अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों पर पड़ी और यहीं से सफर शुरू हुआ। धीरज की मदद करने के लिए श्रवण कुमार ने खुद तीरंदाजी को समझना शुरू किया। बाद में उन्होंने तीरंदाजी संघ की जज परीक्षा पास की और आंध्र प्रदेश के वरिष्ठ तीरंदाजी जजों में शामिल हो गए। श्रवण कुमार ने कहा, श्मैंने खुद तीरंदाजी सीखी ताकि हर कदम पर बेटे का मार्गदर्शन कर सकूं। यह सिर्फउसका नहीं, हमारा साझा सफर था।श् जब मां ने गिरवी रखा मंगलसूत्र धीरज के करियर का सबसे मुश्किल दौर 2017 में आया। बेहतर प्रशिक्षण के लिए उन्हें महंगे विदेशी उपकरणों की जरूरत थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति इसकी इजाजत नहीं देती थी। हालात ऐसे हो गए कि धीरज तीरंदाजी छोड़ने तक का मन बना चुके थे। तभी उनकी मां रेवती ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपना मंगलसूत्र गिरवी रखकर कर्ज लिया ताकि बेटे के लिए नया धनुष खरीदा जा सके। धीरज आज भी उस पल को याद करते हैं। उन्होंने कहा, श्एक समय ऐसा था जब मैं तीरंदाजी छोड़ने वाला था। मेरी मां ने अपना मंगलसूत्र गिरवी रख दिया ताकि मैं धनुष खरीद सकूं। मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह बहुत बड़ी बात होती है।श् पेरिस की निराशा से अंताल्या की जीत तक दो साल पहले पेरिस ओलंपिक में धीरज पदक के बेहद करीब पहुंचकर चूक गए थे। वह भारत को तीरंदाजी में पहला ओलंपिक पदक दिलाने से बस एक कदम दूर रह गए थे।

कौन हैं सैंड्रा कुएवास?

न्यूयॉर्क। फीफा विश्वकप 2026 के दौरान मेक्सिको की पूर्व मेयर और चर्चित राजनेता सैंड्रा कुएवास एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मेक्सिको की शुरुआती जीत के बाद राजधानी मेक्सिको सिटी में आयोजित जश्न में उनकी मौजूदगी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस दौरान समर्थकों ने उनके समर्थन में श्प्रेसिडेंटाश् (राष्ट्रपति) के नारे भी लगाए, जिसके बाद उनका नाम फिर सुर्खिया में छा गया।फीफा विश्वकप 2026 में रविवार को खेले गए मुकाबलों में तीन अलग–अलग कहानियां देखने को मिलीं। कहीं आखिरी मिनट में वापसी का जज्बा दिखा, कहीं एक टीम ने गोलों की बौछार कर दी तो कहीं एक अकेले गोल ने मैच का फैसला कर दिया। डलास में जापान ने आखिरी क्षणों तक संघर्ष करते हुए नीदरलैंड को जीत से वंचित कर दिया। ह्यूस्टन में जर्मनी ने कुरासाओ को करारी शिकस्त देकर ग्रुप ई में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि आइवरी कोस्ट ने अमाद डियालो के निर्णायक गोल से इक्वाडोर को हराकर नॉकआउट की दौड़ में खुद को मजबूती से बनाए रखा। वहीं, रविवार का आखिरी मैच स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच मोंटेरी में खेला गया। स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5–1 से रौंद दिया। कमादा बने जापान के संकटमोचक, नीदरलैंड की जीत छिनी डलास स्टेडियम में खेला गया ग्रुप एफका मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे रोमांचक मैचों में से एक साबित हुआ। नीदरलैंड और जापान के बीच मुकाबला 2–2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। पहले हाफ में दोनों टीमों ने सतर्क खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हुआ। हालांकि दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही मुकाबला पूरी तरह बदल गया। 50वें मिनट में कप्तान वर्जिल वान डाइक ने रयान ग्रावेनबर्च के क्रॉस पर शानदार हेडर लगाकर नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। जापान ने हार नहीं मानी और 57वें मिनट में केइटो नाकामुरा ने निचले कोने में सटीक शॉट लगाकर स्कोर 1–1 कर दिया। इसके बाद 64वें मिनट में क्रिसेंसियो समरविल ने बेहतरीन कर्लिंग शॉट के जरिए नीदरलैंड को फिर से 2–1 की बढ़त दिला दी। ऐसा लग रहा था कि डच टीम तीन अंक लेकर जाएगी, लेकिन 89वें मिनट में जापान ने शानदार वापसी की। कोकी ओगावा के हेडर को दाइची कमादा ने डिफ्लेक्ट कर गोल में पहुंचा दिया और स्कोर 2–2 हो गया। इस गोल ने जापान को एक महत्वपूर्ण अंक दिला दिया। जापान ने एक बार फिर साबित किया कि वह दबाव की परिस्थितियों में भी वापसी करना जानता है। कतर विश्वकप 2022 में जर्मनी और स्पेन के खिलाफ पीछे रहने के बावजूद जीत दर्ज करने वाली जापानी टीम ने इस बार भी अपने जज्बे का परिचय दिया। वान डाइक रहे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीरू नीदरलैंड के कप्तान वर्जिल वान जिक को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

ट्यूनीशिया के खिलाफ गोल के बाद भी नहीं मनाया जश्न!

न्यूयॉर्क। फीफा विश्वकप 2026 में स्वीडन के मिडफील्डर यासिन अयारी ने ट्यूनीशिया के खिलाफ शानदार गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन गोल करने के बाद उन्होंने जश्न नहीं मनाया। इसके पीछे वजह उनका ट्यूनीशिया से पारिवारिक संबंध है। अयारी के पिता ट्यूनीशिया से हैं और इसी कारण उन्होंने अपने गोल का सम्मानजनक अंदाज में जश्न न मनाने का फैसला किया। फीफा विश्वकप 2026 में स्वीडन और ट्यूनीशिया के बीच खेले गए मुकाबले में यासिन अयारी ने ऐसा गोल किया, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। 22 वर्षीय मिडफील्डर ने मैच के सातवें मिनट में बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को सीधे गोलपोस्ट के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट के अब तक के सबसे शानदार गोलों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, गोल से ज्यादा चर्चा अयारी की प्रतिक्रिया की हो रही है। गोल करने के बाद उन्होंने न तो दौड़ लगाई, न कोई खास सेलिब्रेशन किया और न ही दर्शकों के सामने खुशी जताई। उन्होंने सिर्फ दोनों हाथ ऊपर उठाए और शांत खड़े रहे, जबकि उनके साथी खिलाड़ी उन्हें बधाई देने पहुंच गए। ट्यूनीशिया से है खास रिश्ता अयारी का यह फैसला अचानक नहीं था। स्वीडन के लिए खेलने वाले इस मिडफील्डर का ट्यूनीशिया से गहरा पारिवारिक संबंध है। उनका जन्म स्वीडन के सोलना शहर में हुआ, लेकिन उनके पिता ट्यूनीशिया से हैं। उनकी मां मोरक्को मूल की हैं। इसी वजह से अयारी के पास ट्यूनीशिया का प्रतिनिधित्व करने का भी विकल्प था। हालांकि उन्होंने स्वीडन की युवा टीमों से खेलते हुए आगे बढ़ने का फैसला किया और 2023 में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया। सम्मान दिखाने के लिए नहीं मनाया जश्न फुटबॉल में अक्सर खिलाड़ी अपने पूर्व क्लब या अपने करीबी संबंध रखने वाली टीम के खिलाफगोल करने पर जश्न नहीं मनाते। अयारी ने भी कुछ ऐसा ही किया।

अर्थ जगत

आज सोने का भाव 1.53 लाख के पार, चांदी की कीमतों में भी उछाल, सर्राफा बाजार का हाल क्या?

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में शांति के संकेतों के बाद भारत में आज सोने की दरों में प्रति 10 ग्राम 2120 रुपये का उछाल दर्ज किया गया। चांदी की कीमतों में भी 4940 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी देखी गई। सर्राफा बाजार का हाल जानिए पश्चिम एशिया में करीब 107 दिनों के बाद शांति बहाली के संकेत हैं। अमेरिका और ईरान के बीच जंग रोकने पर सहमति बन गई है। सभी पक्षों के बीच बनी सहमति और शांति समझौते पर शुक्रवार को स्विटजरलैंड में हस्ताक्षर होंगे। इस सकारात्मक संकेत के बाद आज सोने के भाव में तेजी देखी गई। बुलियन की दरों के मुताबिक वर्तमान कीमत ₹1.53 लाख प्रति 10 ग्राम के पार है। दूसरी तरफचांदी की कीमतों में भी उछाल देखा गया है। चांदी के दाम प्रति किलो 4900 रुपये से अधिक बढ़े हैं। आज सर्राफा बाजार का हाल क्या है, जानिए इस खबर में? सोने की कीमतों में दो फीसदी का उछाल सोने की कीमतों में आज सुबह के कारोबार में 2ः से अधिक की तेजी दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के संकेतों के बीच निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ा, जिससे गोल्ड की मांग में उछाल देखने को मिला। तनाव के माहौल में बीते हफ्ते कैसा रहा बाजार? इससे पहले बीते हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन–शुक्रवार को भी अमेरिका–ईरान के बीच तनाव घटने के कारण सोने–चांदी की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया था। निवेशकों के बीच उत्साह के माहौल में शुक्रवार 12 जून के दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने के दाम 3,000 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गए थे। चांदी की कीमतों में भी 10,000 रुपये का उछाल दर्ज किया गया था।अंतिम कारोबारी सत्र में चांदी की दर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई थी। कीमती धातुओं में निवेशकों की रुचि कैसी? समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक अमेरिका–ईरान गतिरोध में राजनयिक सफलता के संकेतों से कीमती धातुओं में निवेशकों की रुचि फिर से बढ़ी है। स्थानीय बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 3,000 रुपये बढ़कर 1,56,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। गुरुवार को सोने की दर 1,53,900 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी के दाम बढ़कर 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए थे। पिछले सत्र में ये सफेद धातु 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। श्ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमले बंदश् इस खबर का निवेशकों पर क्या असर?

पुराने ठग, नए हथकंडेय तेजी से बढ़ते डिजिटल भुगतान के साथ साइबर ठगी का खतरा भी बढ़ा

नई दिल्ली। भारत में डिजिटल भुगतान के बढ़ने के साथ साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी झ्ल्ह, निवेश स्कैम जैसे नए तरीकों से लोग लाखों–करोड़ों की ठगी का शिकार हो रहे हैं। त्ठप् ने सुरक्षा के लिए नए डिजिटल टूल्स भी लॉन्च किए हैं। रात के करीब आठ बजे थे। लखनऊ की सेवानिवृत्त शिक्षिका कंचन शुक्ला के मोबाइल पर फोन आया। आपकी डिजिटल जनगणना का डाटा अपडेट हो चुका है। सिर्फएक अंतिम सत्यापन बाकी है। आपके मोबाइल पर एक ओटीपी आएगा, कृपया बता दीजिए। आवाज इतनी गंभीर और पेशेवर थी कि बुजुर्ग शिक्षिका धोखा खा गईं। ओटीपी बता दिया। दस मिनट में बैंक खाते से 7.80 लाख रुपये गायब। 48,000 करोड़ रुपये की डिजिटल लूट! भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान व्यवस्थाओं में से एक है। इस चमक के पीछे एक बहुत बड़ा अंधेरा भी है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 में आम नागरिकों को डिजिटल और साइबर ठगी के कारण लगभग 48,000 करोड़ रुपये का भारी–भरकम नुकसान हुआ है। दूसरी तरफ डिजिटल लेन–देन लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा हैरू– रिजर्व बैंक के डिजिटल भुगतान सूचकांक में 11ः की वृद्धि हुई है। न्च्प् के जरिये होने वाले लेन–देन दो सौ अरब के आंकड़े को पार कर चुके हैं। न्च्प् लेन–देन में लगभग 30ः की सालाना बढ़ोतरी हुई है। सीधा सा गणित है– जितनी तेजी से हमारा देश डिजिटल हो रहा है, उतनी ही तेजी से डिजिटल ठगों का नेटवर्क भी मजबूत हो रहा है। 2026 का सबसे खतरनाक हथकंडा डिजिटल जनगणनारू ठग खुद को सरकारी जनगणना अधिकारी बताते हैं और कहते हैं कि आपका डाटा अधूरा है। सत्यापन के नाम पर ओटीपी लेते हैं और पलक झपकते ही खाता खाली कर देते हैं। फर्जी जनगणना एपरू आपके मोबाइल पर लिंक भेजकर कहा जाता है, यह सरकार का आधिकारिक एप है, इसे डाउनलोड करके अपनी जानकारी भरें। असल में यह एक घातक वायरस या रिमोट एक्सेस एप होता है, जो आपके पूरे मोबाइल का नियंत्रण ठगों के हाथ में सौंप देता है। डिजिटल अरेस्टरू ठग वीडियो कॉल पर खुद को सीबीआई, ईडी, पुलिस या रिजर्व बैंक का अधिकारी बताते हैं। इसके बाद पीड़ित को घंटों वीडियो कॉल पर बंधक बनाकर रखा जाता है और केस रफा–दफा करने के नाम पर लाखों रुपये ऐंठ लिए जाते हैं। केवाईसी अपडेटरू साइबर ठग लोगों को झांसा देते हैं कि बैंक खाता बंद हो जाएगा, पैन कार्ड लिंक नहीं है या सिम कार्ड ब्लॉक हो जाएगा। इस तरह के डरावने संदेश भेजकर फर्जी वेबसाइटों पर आपकी गोपनीय जानकारी चुराई जाती है। व्हाट्सएप निवेशरू व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर फर्जी ग्रुप बनाकर पहले थोड़ा मुनाफा दिखाया जाता है, फिर बड़ी रकम निवेश कराकर करोड़ों रुपये डकार लिए जाते हैं। जॉब स्कैमरू घर बैठे काम, पार्ट–टाइम नौकरी या वीडियो लाइक करके पैसे कमाने का लालच देकर पंजीकरण शुल्क के नाम पर मोटी ठगी की जाती है। रोमांस स्कैमरू सोशल मीडिया पर दोस्ती। भावनात्मक संबंध। फिर मेडिकल इमरजेंसी या कस्टम क्लियरेंस के नाम पर पैसे की मांग। गेमिंग फ्रॉडरू बच्चों और किशोरों को निशाना बनाया जाता है। गेमिंग कॉइन, स्किन और रिवॉर्ड के नाम पर बैंक खाते और न्च्प् से पैसे निकाल लिए जाते हैं। त्ठप् ने क्या नए हथियार उतारे हैं? अमित दुबे, साइबर एक्सपर्ट ने बतायारू– डनसमभ्नदजमत.प रू ।प् आधारित प्रणाली संदिग्ध बैंक खातों की पहचान करती है। ये ट्रांजैक्शन हिस्ट्री को जांचता है। प्रत्येक खाते को एक रिस्क स्कोर देता है। मार्च 2026 तक 26 बैंकों में लागू हो चुका है।

मस्क पर बरसे डॉलर, लेकिन क्या आप भी भारत में बैठकर खरीद सकते हैं स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयर?

नई दिल्ली। भारत में बैठकर एलन मस्क की स्पेसएक्स और टेस्ला में निवेश कैसे किया जा सकता है? समझें आसान चरणवार प्रक्रिया, त्ठप् के स्त्रै नियम, ज्ब्ै–8ठम्छ फॉर्म, कैपिटल गेन टैक्स और प्ज्त् अनुपालन से जुड़ी पूरी जानकारी। पढ़ें विस्तृत बिजनेस एक्सप्लेनर। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने अपने ऐतिहासिक आईपीओ से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं और कंपनी का वैल्यूएशन 2.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस शानदार शुरुआत के साथ ही मस्क 1.1 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के पहले श्ट्रिलियनेयरश् बन चुके हैं। इस तूफानी संपत्ति सृजन को देखकर हर निवेशक मस्क की कंपनियों (टेस्ला, स्पेसएक्स, ग्।प्, स्टारलिंक) का हिस्सा बनना चाहता है। अच्छी खबर यह है कि वैश्वीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के दौर में कोई भी भारतीय नागरिक कानूनी रूप से अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश कर सकता है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि एक भारतीय निवेशक रिजर्व बैंक और टैक्स नियमों के दायरे में रहकर किस तरह अमेरिकी बाजारों में एंट्री ले सकता है? 1. क्या एक आम भारतीय निवेशक स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयर सीधे खरीद सकता है? हां, बिल्कुल। भारतीय निवेशक इंडमनी, वेस्टेड, या एचडीएफसी सिक्योरिटीज जैसे डिजिटल निवेश प्लेटफार्मों या अमेरिकी ब्रोकरेज फर्मों के जरिए अमेरिकी एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों की सीधे खरीद कर सकते हैं। अमेरिकी बाजार की सबसे बड़ी खासियत श्आंशिक शेयरश् की सुविधा है। इसका मतलब है कि अगर स्पेसएक्स का शेयर 160 डॉलर (करीब 15,232 रुपये) का है, तो आपको पूरा शेयर खरीदने की जरूरत नहीं हैय आप मात्र 10 डॉलर (लगभग 950 रुपये) लगाकर भी उसका एक छोटा अनुपातिक हिस्सा खरीद सकते हैं। इसके अलावा, आपके निवेश को अमेरिका के एसआईपीसी की ओर से 5,00,000 डॉलर तक का बीमा कवर भी मिलता है। 2. रिजर्व बैंक के किस नियम के तहत विदेश में पैसा लगाया जा सकता है? कोई भी भारतीय मनमाने ढंग से पैसा विदेश नहीं भेज सकता। इसके लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (एफईएमए) के तहत श्उदारीकृत प्रेषण योजनाश् (एलआरएस) लागू की है। इस योजना के तहत कोई भी निवासी भारतीय (नाबालिग सहित) एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम 2,50,000 अमेरिकी डॉलर बिना किसी पूर्व अनुमति के विदेश भेज सकता है। यह सीमा प्रति पैन कार्ड लागू होती है, यानी चार सदस्यों वाला परिवार मिलकर साल में 1 मिलियन डॉलर तक का निवेश कर सकता है। 3. निवेश के लिए पैसा भेजते समय किन फॉर्म और कोड का ध्यान रखना होगा? जब आप अपने भारतीय बैंक खाते से अमेरिकी ब्रोकरेज खाते में रुपये भेजते हैं, तो उसे श्आउटवर्ड रेमिटेंसश् कहा जाता है। इस प्रक्रिया में श्फॉर्म ।2श् भरना एक अनिवार्य कानूनी आवश्यकता है, जिसमें यह घोषणा करनी होती है कि धन वैध स्रोतों से है और किसी प्रतिबंधित काम में इस्तेमाल नहीं होगा। सबसे महत्वपूर्ण है आरबीआई का पर्पस कोड यानी उद्देश्य कोड। विदेशी शेयर खरीदने के लिए आपको फॉर्म में श्ै0001श् (विदेशी इक्विटी में निवेश) कोड का ही चुनाव करना होगा। इसी तरह, जब आप मुनाफा कमाकर डॉलर को वापस रुपये में भारत लाते हैं, तो बैंक को श्ब्0001श् कोड बताना होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई न0 UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।